



दैनिक हिंदी समाचार पत्र

RaghuWaniNews@Gmail.com

RNI No.: UPHIN/25/A2705

रोज़ पढ़ो,
देश से जुड़ो



संपादक: नीरपाल सिंह उर्फ नीटू भाटी



अमरोहा से प्रकाशित; गौतमबुद्ध नगर, हापुड़, मेरठ, संभल, बागपत, सहारनपुर से एक साथ प्रसारित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में गन्ना किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय

ईरान में बंधक बनाए गए 4 गुजराती भारत लौटे

इंकी रूट से ऑस्ट्रेलिया जाते समय तेहरान में हुआ था अपहरण, 2 करोड़ की फ़िरौती मांगी थी

गांधीनगर (एजेंसी)। ईरान में बंधक बनाए गए चारों गुजरातियों की भारत वापसी हो गई है। ये चारों इलीगल तरीके से ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। इसी दौरान ईरान के तेहरान एयरपोर्ट से इनका अपहरण कर लिया गया था। अपहरकर्ताओं ने इन्हें बंधक बनाकर परिवार वालों से दो करोड़ की फ़िरौती मांगी थी। मनसा विधायक जेएस पटेल ने बताया कि चारों मंगलवार सुबह दिल्ली पहुंच गए थे। अब ट्रेन से गुजरात आएंगे। पटेल ने आगे कहा कि भारत सरकार की मदद से चारों की सकुशल



वापसी संभव हो पाई है। वीडियो सामने आने के बाद भारत के कहने पर ईरान सरकार ने चारों को बंधकों को चंगुल छोड़ा लिया। न्यूज कर पीटते हुआ वीडियो भेजा था बाबा नाम के एक शख्स ने इन चारों के परिवार को फोन करके 2 करोड़ रुपये की फ़िरौती मांगी थी। परिवार को एक वीडियो भेजा गया था, जिसमें अपहृत लोगों को न्यूज कर के जमीन पर औंधे मुंह लिटाकर पीटा जा रहा था। अपहृत लोगों में एक महिला और तीन युवक शामिल थे, जिनमें से तीन गांधीनगर जिले के मानसा तालुका के बाणपुरा और एक बड़पुरा का रहने वाला है।

उत्तराखंड का रजत जयंती महोत्सव होगा बेहद खास

शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तो समापन करेंगे पीएम मोदी

देहरादून (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड इस बार अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है। यह पहला अवसर है जब राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती समारोह में देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों शामिल होने जा रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन दिवसीय दौरे पर तीन नवंबर को उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 नवंबर को एफआरआई देहरादून में आयोजित समापन



समारोह में भाग लेंगे। रजत जयंती उत्सव के इन आयोजनों से राज्य का गौरव बढ़ गया है और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार इसे ऐतिहासिक बनाने में जुटी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो नवंबर को हरिद्वार में एक कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके बाद तीन नवंबर को वह देहरादून पहुंचकर विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी। यह उत्तराखंड विधानसभा के इतिहास में दूसरा मौका होगा जब किसी राष्ट्रपति का विशेष सत्र में अभिभाषण होगा। इससे पहले मई 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने विशेष सत्र को संबोधित किया था। तीन नवंबर के बाद राष्ट्रपति नैनीताल रवाना होगी और कई कार्यक्रमों में भाग लेंगी।

गन्ना किसानों को योगी सरकार का बड़ा उपहार योगी सरकार में अब तक 2.90 लाख करोड़ का रिकॉर्ड भुगतान, पिछली सरकारों से 1.42 लाख करोड़ अधिक

गन्ने के दामों में बंपर बढ़ोतरी!



लखनऊ

योगी सरकार ने एक बार फिर गन्ना किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 प्रति कुन्तल की वृद्धि की गई है। उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी के अनुसार अब अगेली गन्ना प्रजाति का मूल्य 400 प्रति कुन्तल तथा सामान्य प्रजाति का मूल्य 390 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। इस वृद्धि से गन्ना किसानों को लगभग 3,000 करोड़ का अतिरिक्त भुगतान होगा। योगी सरकार के कार्यकाल में यह चौथी बार है जब गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। यह निर्णय न केवल गन्ना किसानों की आमदनी में वृद्धि करेगा, बल्कि प्रदेश के ग्रामीण अर्थतंत्र में नई ऊर्जा भी भरेगा। मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि किसानों के परिश्रम का सम्मान करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गन्ना किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि प्रदेश की

अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ हैं। गन्ना हमारे ग्रामीण जीवन और अर्थव्यवस्था का आधार है और हर किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य सही समय पर उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने बताया कि गन्ना किसानों को अब तक 2,90,225 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो वर्ष 2007 से 2017 के बीच सपा और बसपा सरकारों में किसानों को कुल मात्र 1,47,346 करोड़ का भुगतान हुआ था। इस प्रकार सरकार ने मात्र साढ़े आठ वर्षों में पिछली सरकारों के मुकाबले 1,42,879 करोड़ अधिक भुगतान कर नया इतिहास रचा है। मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 122 चीनी मिलें संचालित हैं, जिससे उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में जहां 21 मिलें औने-पौने दामों पर बेची गई थीं, वहीं सरकार के पारदर्शी प्रबंधन और निवेशोन्मुख

नीतियों से इस उद्योग में 12,000 करोड़ का निवेश आकर्षित हुआ है। पिछले आठ वर्षों में 4 नई चीनी मिलें स्थापित की गईं, 6 बंद मिलें पुनः शुरू की गईं और 42 मिलों को उत्पादन क्षमता में विस्तार हुआ। इससे प्रदेश में 8 नई बड़ी मिलों के बराबर उत्पादन क्षमता में वृद्धि दर्ज हुई है। साथ ही, 2 मिलों में सीबीजी संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिससे गन्ना क्षेत्र में वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन को भी बल मिला है। प्रदेश सरकार की अभिनव पहल स्मार्ट गन्ना किसान प्रणाली के माध्यम से गन्ना क्षेत्रफल, सट्टा, कैलेंडरिंग और पर्ची जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है। अब किसानों को उनकी गन्ना पर्ची सीधे मोबाइल पर प्राप्त होती है और भुगतान डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में पहुंचता है। इस प्रणाली को भारत सरकार ने 'मॉडल सिस्टम' घोषित किया है, जिससे विचारियों की भूमिका पूरी तरह समाप्त हो गई है।

● भारत ने बंद किया रास्ता तो पाकिस्तान ने खोला दरवाजा

बांग्लादेश को ऑफर किया कराची बंदरगाह, शहबाज का डिप्लोमेटिक दांव !

इस्लामाबाद/ढाका (एजेंसी)। भारत के साथ तनतनी के बीच पाकिस्तान ने बांग्लादेश को ऑफर देकर बड़ा डिप्लोमेटिक दांव चला है। भारत और बांग्लादेश के बीच लगातार खराब होते संबंध से दोनों देशों के द्विपक्षीय कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं। ऐसे में पाकिस्तान ने ढाका के साथ अपनी दोस्ती बढ़ाकर एक नया रास्ता निकाला है। सोमवार को, पाकिस्तान ने बांग्लादेश को एक व्यापारिक लाइफलाइन देने की कोशिश की है और जूट उत्पादों और अन्य वस्तुओं के निर्यात के लिए

अपने कराची बंदरगाह के इस्तेमाल की पेशकश की है। पाकिस्तान ने जिस वक्त बांग्लादेश को कराची बंदरगाह इस्तेमाल करने का ऑफर दिया है, वो समय काफी दिलचस्प और महत्वपूर्ण है। कुछ हफ्ते पहले ही भारत ने बांग्लादेशी जूट के जमीनी आयात पर रोक लगाया है और पाकिस्तान इसका फायदा उठाने आ धमका है। यह समझौता उस समय हुआ जब पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच करीब दो दशकों के बाद फिर से संबंध बहाल होने शुरू हुए हैं। यह प्रस्ताव दो दशक बाद आया है।



आईटीआई छात्रों के बेहतर प्लेसमेंट पर योगी सरकार का फोकस

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और स्थानीय रोजगार को प्राथमिकता देते हुए दोस कदम उठा रही है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का हर युवा अपने कौशल के बल पर रोजगार या स्वरोजगार से जुड़कर विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत के संकल्प को साकार करे। सरकार के प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोक्ल फॉर लोकल और स्किल इंडिया मिशन को राज्य स्तर पर नई गति मिल रही है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन मुख्यालय, अलीगंज, लखनऊ में समीक्षा बैठक की। बैठक में



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ह्वावन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में चल रहे कौशल विकास कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा हुई। अधिक से अधिक युवा आईटीआई से जोड़े जाएं

नौकरी की टेंशन खत्म!

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार के प्रयासों से आईटीआई से पासआउट छात्रों को देश की अग्रणी कंपनियों में बेहतर प्लेसमेंट मिल रहा है, जिससे प्रदेश के युवाओं में कौशल शिक्षा को लेकर उत्साह बढ़ा है। उन्होंने निर्देश दिए कि इन

सफलताओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक युवा आईटीआई संस्थानों में प्रवेश लेकर अपनी रुचि के अनुसार कोर्स पूरा करें और रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ सकें। छात्रों को औद्योगिक भ्रमण कराया जाए उन्होंने कहा कि हर जिले में विभिन्न उद्योगों से समन्वय स्थापित कर छात्रों का औद्योगिक भ्रमण (इंडस्ट्री विजिट) कराया जाए और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए मिशन द्वारा एक इंडस्ट्री विजिट कैलेंडर और टाइम-टेबल तैयार किया जाएगा। मंत्री अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि योगी सरकार उद्योगों को कौशल विकास मिशन और आईटीआई संस्थानों से जोड़ने के लिए दोस पहल कर रही है,

अब नौसेना की रगों में 'इश्क' उतरने को तैयार

● हवा के बाद समंदर में भी भारत का दबदबा, टक्कर में कोई नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना में 6 नवंबर को कोच्चि नौसेना बेस पर एक खास जहाज शामिल होने वाला है। इसका नाम है 'इश्क'। यह सिर्फ समुद्री नक्शे बनाने वाला जहाज नहीं है, बल्कि मुश्किल समय में लोगों की मदद करने और अस्पताल का काम भी करेगा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी इस खास मौके पर मौजूद रहेंगे। 'इश्क' नौसेना के बेड़े में आने वाला सर्वे वेसल लांज श्रेणी का तीसरा जहाज है। खास बात यह है कि यह पहली ऐसी जहाज है जिसमें महिलाओं के लिए अलग से रहने की व्यवस्था की गई है।



आंधी-तूफान में भी फहराएगा अयोध्या राम मंदिर का ध्वज

● 360 डिग्री घूमेगा, प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर को फहराएंगे ● श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट ने 10 हजार मेहमान बुलाए, 3000 रुम बुक

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर तय समय में बनकर तैयार हो चुका है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के 1 साल 9 महीने के बाद अयोध्या में एक बार फिर बड़ा आयोजन होगा। पीएम नरेंद्र मोदी यहां 25 नवंबर को धर्मध्वजा फहराएंगे। केसरिया रंग की खास ध्वजा पर सूर्य और कोविंदर (अयोध्या का शाही वृक्ष, जो कचनार के नाम से जाना जाता है) के प्रतीक बने हुए हैं। राम मंदिर के 161 फुट ऊंचे शिखर पर 42 फुट ऊंचा स्तंभ स्थापित किया गया है। इसी स्तंभ पर 22 फुट लंबी और 11 फुट चौड़ी पताका फराएगी। यह ध्वज 60 किमी/घंटा रफ्तार की



तेज हवाओं को झेल सकेगा। आंधी-तूफान में उसे कोई नुकसान नहीं होगा। 360 डिग्री पर घूम भी सकेगा। प्रधानमंत्री राम मंदिर के साथ-साथ 8 और मंदिरों के शिखरों पर ध्वजारोहण करेंगे। ध्वजारोहण के बाद श्रद्धालुओं के लिए 70 एकड़ परिसर में बने इन मंदिरों के दर्शन भी शुरू हो जाएंगे। यह आयोजन राम मंदिर के पूर्ण होने का प्रतीक है। 21 नवंबर से आयोजन शुरू होगा। मुख्य आयोजन 25 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12.30 तक चलेगा। इस दौरान लोग रामलला के दर्शन नहीं कर सकेंगे। ट्रस्ट ध्वज को कई एजेंसियों से तैयार करवा रहा है।

दुनिया की सबसे बड़ी स्काउट गाइड आयोजित होगी

ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र कहते हैं- ध्वजारोहण का दायित्व किया गया है। यह आयोजन मंदिर निर्माण के पूरा होने का प्रतीक है। ध्वजारोहण के बाद विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत दुनिया की सबसे बड़ी स्काउट-गाइड जम्बरी आयोजित होगी। इसमें करीब 35 हजार कैडेट्स शामिल होंगे। राम मंदिर परिसर के शिव, गणेश, सूर्य, हनुमान, माता भगवती, माता अन्नपूर्णा और शेषाद्वार मंदिर समेत 8 मंदिरों पर भी ध्वजारोहण किया जाएगा।





एसआईआर की सार्थक पहल का विरोध नहीं, स्वागत हो

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार के बाद अब देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष ग्राहण पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत करने की घोषणा करके चुनाव विधायिकाओं एवं कमियों को दूर करने का सराहनीय एवं साहसिक कार्य किया है। यह पहल ने केवल तकनीकी या प्रशासनिक प्रक्रिया भर है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की एक निर्णायक कोशिश है। लोकतंत्र की आत्मा उसमें निर्वाचन तंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता में बसती है और चुनाव आयोग का यह कदम उसी दिशा में एक ठोस, सकारात्मक और आवश्यक प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। बिहार की एस-आईआर प्रक्रिया से सबक लेते हुए इस बार आयोग ने प्रक्रिया के लिए अधिक समय दिया है, ताकि बिहार जैसी जल्दबाजी और अफरातफरी से बचा जा सके। आचार्य काई को एक सहलग्न दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाया, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी। निश्चित ही इस बार 12 राज्य संख्या में ज्यादा हैं तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुरोनिष्ठा प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के विश्वव्यापी का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि शांति भी योग्य मतदाता हट्टू न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुनाव था है, उनमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, गोवा, केरल, पुदुचेरी, उडुपट्टाण और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप हैं, इनमें से केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल विधानसभा चुनाव है, लेकिन उनसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया।



संपादक

निरपाल सिंह उर्फ नीटू भाटी
भारत की आत्मा गांवों में बसती है – यह केवल एक कथन नहीं, बल्कि हमारे देश की सच्चाई है। आज जब हम विकसित भारत @2047 का स्वप्न देख रहे हैं, तब यह आवश्यक है कि हम उस नींव को मजबूत करें, जिस पर भारत का अस्तित्व टिका है। यह नींव है – हमारे गांव। यदि गांवों का विकास सुनिश्चित हो अपन, तो भारत का विकास अपने आप सुनिश्चित हो जाएगा। हमारा देश आज तेजी से आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। स्मार्ट सिटी की चुच के बीच अब समाप्त आ गया है कि हम ह्रस्पाट विलेजहू की दिशा में सोचें। क्योंकि जब तक गांवों के जीवन स्तर, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में वास्तविक सुधार नहीं होगा, तब तक विकसित

भारत का सपना अधूरा रहेगा। विकास केवल बड़े शहरों में ऊँची इमारतों या मेट्रो रेल से नहीं मापा जा सकता, बल्कि तब मापा जाएगा जब ग्रामीण युवाओं को भी समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार मिलेंगे। महानाया गांधी ने कहा था – भारत का भविष्य उसके गांवों में बसता है। यह दर्शन आज भी उनका ही प्रासंगिक है। आज भी भारती का लगभग 65 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है। इन गांवों में कृषि, पशुपालन, हस्तशिल्प, और लघु उद्योगों का एक विस्तार तंत्र है। लघु उद्योग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। लेकिन दुख की बात यह है कि यह रीढ़ आज भी पोषण सरका नहीं हो पाई है। यह दम गांवों में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी समुचित विकास तंत्र, तो यही ग्रामीण भारत भविष्य के विकास तंत्र भारत का इंजन बन सकता है। गांवों का विकास केवल बुनियादी हाँचे तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह विकास सामाजिक सशक्तिकरण, महिला नेतृत्व, स्वच्छता, डिजिटल सक्षमता और आत्मनिर्भरता के मॉडल पर आधारित होना चाहिए। आज ह्रस्वमय युगी, विकसित यूनाइटेड जैसे अभियान इस दिशा में भी सोच लेकर आया है। इन अभियानों का उद्देश्य केवल योजनाओं का



क्रियान्वयन नहीं, बल्कि नागरिकों की सहभागिता के माध्यम से विकास को जन-आन्दोलन बनाना है। एक विकासवादी भारत की कल्पना तभी साकार होगी जब हर गांव आत्मनिर्भर बने। आत्मनिर्भरता का अर्थ है - अपने संसाधनों का उपयोग समझदारी से करना, स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना, और युवा शक्ति को कौशल और नवाचार से जोड़ना। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, डिजिटल इंडिया, और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना - ये सभी पहलें ग्रामीण भारत को आधुनिकता से जोड़ने का माध्यम हैं। लेकिन इस योजनाओं की सफलता तभी संभव है जब प्रत्येक

नागरिक इनका सहभागी बने, केवल लाभार्थी नहीं। गांवों के विकास में शिक्षा और जागरूकता की भूमिका की उतनी ही महत्वपूर्ण है। जब ग्रामीण नागरिक अपने अधिकारों, अवसरों और कर्तव्यों को समझेंगे, तभी वे अपनी भूमिका को शराद दम से निभा पाएंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रामीण युवाओं को अभुवार पढ़ने, सरकारी योजनाओं को जानकारी रखने, और डिजिटल माध्यमों के सही उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। एक जागरूक नागरिक ही एक विकसित समाज को नींव रख सकता है। गांवों का विकास केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि समाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी होना चाहिए। गांव

भारतीय संस्कृति, लोककला और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षक हैं। यदि हम विकास की दौड़ में अपनी संस्कृतिक पहचान को देंगे, तो विकास अथुरा रह जाएगा। इसीलिए, विकसित भारत का यही मंत्र यही है कि आधुनिकता और परंपरा का संतुलन बनाए रखा जाए। प्राणीम विकास का एक और महत्वपूर्ण पहलू है – सामूहिकता की भावना। गाँवों में आज भी सदस्यग, सखेदारी और एकता की परंपरा जीवित है। यही भावना आज के यशरी समाज में सबसे ज्यादा जरूरी है। यदि इस सामाजिक एकजुटता को विकास की दिशा में मोड़ा जाए, तो परिवर्तन तेज और स्थायी होगा। आज विकसित भारत 2047 तक की दिशा में हमें गाँवों

तो न केवल लाभार्थी बनाना है, बल्कि उन्हें नीति-निर्माण और क्रियान्वयन की प्रक्रिया का भागीदार बनाना है। चिंचार पद्धति अस्थाओं की और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने होगी। यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है कि वह अपने गांव की प्रगति में योगदान दे - चाहे वह स्वच्छता अभियान हो, पर्यावरण संरक्षण हो या शिक्षा का प्रसार। अंततः, विकसित गांव का रास्ता गांवों से होकर ही गुजरता है। जय गांधी की गलियारा उज्जवल हो, खेतों में तकनीक की लहर दौड़ेगी, स्कूलों में हर बच्चा मुस्कुराएगा, और हर युवा आत्मनिर्भर बनेगा - तभी भारत विश्व मंच पर एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकासित राष्ट्र के रूप में खड़ा होगा। आज समय है कि हम खेद शहरों की चमक में न उलझे, बल्कि उस असली भारत को पहचानें जो खेतों की मिट्टी में, गांवों के गोशालों में, आँगन की चौपालों में और ग्रामीण युवाओं की आशाओं में बसा है। वही भारत हमारे पास का ह्रदयकसित भारतहू बनेगा - क्योंकि असली विकास अधीन से शुरू होता है, जहाँ सबसे अधिक संयोजनाएँ छिपी हैं - हमारे गांवों में।

जेन-जी की बगावत

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कुछ लोगों की मौत होने के बाद स्थिति काबू से बाहर हो गई है। पुलिस के साथ हुई झड़पों में खुद को जेजी यानी युवा पीढ़ी बता रहे 22 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। काठमांडू के अलावा पूर्वी शहर इटहरी में दो लोग मारे गए। जगह-जगह कर्फ्यू लगा है, सेना सड़कों पर है। थारो झड़प व मौतों के बावजूद प्रदर्शनकारियों पीछे हटने को राजी नहीं है। गृहमंत्री रमेश लेखक के बाद अब प्रधानमंत्री के.प. शर्मा ओली ने भी घटना के बाद स्थिति दे दिया है। सरकार की तरफ से मिले संकेतों के अनुसार जल्द ही सोशल मीडिया से बैन हटाया जा सकता है। सरकार के रवैये और भ्रष्टाचार के कथित आरोपों को लेकर युवाओं में जबरदस्ती आक्रोश है। उग्र होते प्रदर्शन को देखते हुए संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, शीतल निवास पर कर्फ्यू लगा है। अभी कुछ ही महीनों पहले नेपाल में राजशाही बहाल करने को लेकर आंदोलन हो चुका है। तब भी नाराज युवाओं द्वारा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने पिछले सालाही फैसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे ख़ूबीसो मीडिया व मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध बना दिया। सरकार का आरोप है, ये सोशल मीडिया कंपनियां कानूनों का पालन करने में कोताही कर रही हैं। चीन की सोशल मीडिया कंपनी टिकटॉक पर चीन नियमों का पालन नहीं है इसलिए उस पर प्रतिबंध नहीं लगा है। टिकटॉक पर चल रहे नेपोबोई ट्रेंड हो रहा है, जिसमें नेताओं के बच्चों के ऐशे-आराम भरे जीवन की तस्वीरें व वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। यह सच है कि विला-जगह सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने से युवाओं में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। नेपाल में भ्रष्टाचार, रिक्खेरी व भाई-भतीजावाद को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है। भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने को भी नेपालियों में भारी निराशा है। वे देश की बददली के लिए राजनेताओं को दोषी मानते हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीडिया वास्तविकता छिपाने में सरकार का पक्षक बन गया है। वे इसे स्वयंसेवा पर हमला मान रहे हैं। जनता की ताकत को नजरंदज करने वालों को यह समझना होगा कि नई पीढ़ी निरंशुता मौन होकर नहीं बदलकर रह सकती। उसे अपने अधिकारों और ताकत का अंदाजा है। नेताओं को राजशाही वाले अंदाज त्यागने होंगे।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य को कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी हो, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसकी विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी निकटो, तीव्र एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि वहाँ कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सदा अक्सरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, थ्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्य-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभ्यग्नस्त को अभीष्ट व्यसुंएँ देकर उसकी सेवा ही जा सकती है। धर्मशाला, कुआँ, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकार्य जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुनाई मालूम पड़ती है और उसे हमारे हस्ते की ओर अपनय आंदना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाए का शासन हर किसी नालें होता है।

पट्टे और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी महत्ता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल जान से, तर्क से, समझाने से सुघर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अनात्म-अनात्मकरण से क्लृप्त हो, साथ ही जीवन के पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदचढ़ हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिम्मेमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें जान, तर्क, नम्रता, सम्जनता, सम्बन्धशीलता से अन्तिम के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाय़ा जा सकता। पशु केवल दो चीज़ें पहचानती है - एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललच कर उन्हें भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखिजा जल्दिय चाहें उधर ले जा सकते हैं। भय या लोभ से अनजानों को, कुकुमांगामियों को समार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकर्षण उत्प्रेरे उसे सामाने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नेत्रांबोजी, व्यभिचार वालों के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बाबाक कई बार उस और चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वयः छोड़े देते हैं।



ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथता दाल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण मल्लकारिताओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति को उपेक्षा करने लगता है, वही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के स्वरूप दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्रकृति के आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे मजबूत संयोग या 'कुदरत की नाराजगी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का परिस्थितिकी तंत्र अत्यंत स्पेसटाशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी होल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल कटाई जो तेज वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। वही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर रोज़गम को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलों जमराम है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा



मनोज चतुर्वेदी

भारतीय हॉकी टीम राजगीर में एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप होने से कुछ पहले तक उसे अच्छे प्रदर्शन के लिए याद नहीं किया जा रहा था।

वैसे भी भारतीय टीम फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नहीं जानी जाती है, लेकिन इस चैंपियनशिप के फाइनल में पिछली चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उससे लगने लगा है कि भारत फिर से ऊंचाईयों की तरफ बढ़ने के लिए तैयार है। भारत ने दक्षिण कोरिया पर 4-1 से जीत पाकर चौथी बार एशिया कप खिताब ही नहीं जीता बल्कि अगले साल अगस्त में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग में खराब प्रदर्शन के बाद यहाँ आई थी। इस लीग के आखिरी ग्रुपों में चरण में भारत ने आठ में से सात मैच हारकर बेहतरीन प्रदर्शन कर दिया था। इस प्रदर्शन की वजह से टीम नौ टीमों

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के मर्मरंदा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियाँ आईना है। यह प्रकृति का प्रतीरोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं तो भविष्य अविकारल होगा। महान्या गंधी ने कहा था—'प्रकृति किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है किसी के लालच को नहीं।' यही सच्चाई है। यहाँ संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य वाले वर्षों में और भयावह होगा। लेकिन यहाँ चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से तरह तरह सामंजस्य लेगी। जीवनदायी पानी जल विकाराल रूप में सामने आता है तो उसका किन्तना घातक और विनाशकारी हो सकता है, वर्षों की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बालू की घटनाओं के एके बार फिर सिद्ध कर लि सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जल अपनी मर्यादां तोड़कर प्रलयकारी रूप में जल घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर—मजिद और मन्दिर तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी रा समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेलना बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएँ, पहाड़ी हिमखंड, अचानक बहते भलावें और बेकाबू का सैलाब—ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जल क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग कारण बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अवधनाएँ हो रही हैं। यही कारण है कि बादल फट घटनाएँ पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। की वस्तियाँ, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीवमानवजीवनी गतिविधियों की भार झेल रहे, अचानक, समस्या का मूल यह है कि हमने की परिभाषा को केवल क्रेडिट और मशीनों के

दिखा है। पक्षघरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनीयता को दृढ़िकरण कर योजनाएं बनाई गई। इसी का परिणाम है कि जब आवाद आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है तो न ही प्रशासन को तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अनाए गए उपाय अप्रत्याप हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत का नदियां कभी जीवन का स्रोत माने जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियां के किनारे स्थितता परली-बढ़ी। लेकिन आज वही नदियां मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतारी बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियां। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अनारोग्य रूप से आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महौनों की बारिश हो जाती है, तो कभी केवल सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटता इस बात का संकेत है कि शहर जनवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियां देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलमयन से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा

मंडा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर क्लेक्ट्री के जंगल ख कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतीरोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मूर्खालाप देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्यटनीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं संस्कार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियाँ बनानी चाहिए, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूरे चेतोवर्नी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राय्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी ज़रूरत है।

एशियाई हॉकी : पूरी लय में है भारतीय टीम

की लीग में अटोवें स्थान पर रही। वह रेलीगेट होने से एक स्थान से बच गई। इसकी वजह से पेरिस ऑलम्पिक्स में कांस्य पदक दिलाने वाले कोच क्रेग फुल्टोन् की काबिलियत पर भी सवाल उठने लगे थे। एशिया कप में भारत के शुरुआती प्रदर्शन से स्थिति और बिगाड़ दी।

इस प्रदर्शन को देखने से भारत की क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जाने लगा, लेकिन भारत ने सुपर फोर में चीन के खिलाफ और फिर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से अपनी फिर से धमक बना दी। भारतीय कोच एफआईएच प्रो लीग में भारतीय प्रदर्शन के बारे में कहते हैं कि इसमें खेले तो अच्छे पर नतीजे अच्छे नहीं निकाल सके। फुल्टोन् ने कहा, हार्ट्स एफआईएच प्रो लीग में खेले तो अच्छे पर परिणाम अच्छे नहीं निकाल सके। पर हमने इसके बाद खामियों पर काम किया।

ऑस्ट्रेलिया दौर पर हाल-फिलहाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसी मयानों में इस ऑस्ट्रेलियाई दौर ने ही एशिया कप की सही तैयारी कराकर जीत में अहम भूमिका निभाई। अब इस प्रदर्शन के बाद देश के हॉकीप्रेमी पर उन्मादित हो गए हैं और उन्हें टीम पर भरोसा बन गया है कि हम फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झूटे गाड़ेंगे। भारत ने चीन हो या दक्षिण कोरिया दोनों के हारे की खिलाफ आक्रामक अंदाज में शुरुआत करके पहले कुछ टीमों में गोल जमाकर खेल पर दबदबा बनाने की रणनीति अपनाई और यह रणनीति कारगर साबित हुई।

हरमज्मीत की अनुआई वाला डिफेंस हो या अभिषेक की अनुआई वाला अग्रिम पंक्ति बहुत दमदार नजर

आई। हरमनप्रीत का हमलों में आगे तक जाना और अभिषेक का डिफेंस के समय सर्किल में रहना टीम की फिटनेस का बताता है। वहीं जर्मनप्रीत, हार्लाक सिंह की अनुपस्थिति वाली हाफ लाइन भी गेद की लगातार आगे रखने में सक्षम नजर आए। भारतीय टीम यदि इसी तरह खेलती रही, तो बहुत संभव है कि 2028 के लॉस एंजेलस ओलंपिक्स में पदक का रंग बदल जाए और अगले साल विश्व कप में भारतीय टीम पोंडियम पर चढ़ती नजर आए। भारतीय टीम इस चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करती नजर आई। आखिर में वह एक इकाई के तौर पर खेलती दिखाई। क्रेग फुल्टन के कोच के रूप में आने के बाद भारतीय टीम परिश्रम पासों का इस्तेमाल कराने लगी है। अमतरार पर एशिया की टीमें परिश्रम पासों वाले खेल को कम ही खेलती दिखती रही हैं। पर भारतीय टीम का अब यह भी प्रमुख अस्त्र बन गया है। इस मामले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने महारत हासिल कर ली। उनके नये-तुलने कुकुरों पर कई बार प्रतिद्वंद्वी टोने से नजर आए। दक्षिण कोरिया भी इस खुबी की वजह से मैच में अंधाधुन समझ समझ बाचाब की करती नजर आई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत वैसे तो किसी तारीफ के मोहाताज नहीं हैं। वह पिछले पेरिस ओलंपिक्स में सर्वाधिक गोल जमाने वाले रहे हैं। वह अनुभव के साथ निरंतर निरखते नजर आ रहे हैं। पेल्टी कॉर्नरों पर गोल जमाने में तो वह महारत रखते ही हैं। साथ ही हमले बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रहने लगी है। भारत का पहले मिन्ट में खता खुलवाने में भी उनकी भूमिका अहम रही। उन्होंने पहले ही मिन्ट में कोरियाई डिफेंस को छकाते हुए सर्किल में खड़े सुखजीत को



पास दिया और उन्होंने रिवर्स शॉट से गोल भेद दिया। भारत के चौथे गोल की जमाया भले ही अमित रोहिदास ने कर पुलमें भी हरमनप्रीत की भूमिका बेहद साबित रही। क्रेग इसमें दोष नहीं देना, हार्मने पहले कहा था कि हम एशिया में नंबर एक बनना चाहते हैं और टीम में गहराई लाना चाहते हैं। हमें लगता है कि हम वहां पहुंच रहे हैं। हमने अच्छी तैयारी की और अच्छा प्रदर्शन किया। टीम के खिलाड़ी बेहद समझदार हैं। इस लिए वह जो भी कोशिश करते हैं, उसे अंजाम तक पहुंचाते हैं। हम विरोधी टीम के साथ अपनी टीम पर भी बहुत होम वर्क करते हैं और यह उसका ही परिणाम है। हमें भारत के विजय कर के लिए जवाबिलफाई करने से अब उबर रहे। इसकी तैयारी के लिए पूरा एक साल मिलेगा। इसका हम सही उपयोग कर सकें तो 1975 के बाद पहली बार भारत खिताब की उम्मीद कर सकता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

युवक की चाकू घोंपकर हत्या, मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा जिले के सीमापुरी इलाके में सोमवार देर रात झगड़े के दौरान युवक की चाकू से घोंपकर हत्या कर दी गई। जांच में मृतक की पहचान अकबर अली मिर्जा के रूप में हुई है। पुलिस ने उक्त मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लिया है। उनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। शाहदरा जिले के पुलिस उपअध्यक्ष प्रशांत गौतम ने मंगलवार को तथ्या किब सोमवार रात करीब 11-56 बजे सीमापुरी थाना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए झगड़े की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शिकायतकर्ता फरीन, जो मृतक अकबर अली की पत्नी हैं, ने बताया कि मोहल्ले का ही एक युवक मुस्लिम (18) उस पर अशोभनीय टिप्पणी कर रहा था। जब उसने विरोध किया तो युवक ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट भी की। इसी दौरान उसका पति अकबर अली बीच-बचाव के लिए पहुंचा। तभी मुस्लिम का मामा भी वहां आ गया और दोनों ने मिलकर अकबर अली पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में अकबर अली को कई गंभीर घोटें आईं और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला है कि मृतक अकबर अली सीमापुरी थाने का बीसी था। फिलहाल क्राइम ब्रांच और एफएसएल की टीमें ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। मामला छेड़छाड़ और हत्या के तहत दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

‘मेडिकल जांच से पहले कपड़े बदलने से कमजोर नहीं हो जाते सुबूत...’, पाँक्सो मामले में दिल्ली हाईस्कूल की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दोषी को राहत देने से इनकार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि पावसी अधिनियम के तहत नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के मेडिकल परीक्षण से पहले उसके कपड़े बदलने से अभियोजन पक्ष के साक्ष्य कमजोर नहीं हो सकते। न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा की पीठ ने कहा कि जांच तक पीड़िता के मेडिकल परीक्षण से पहले चादर न जतम करने और मां द्वारा कपड़े न बदलने का सवाल है, यह अदालत मानती है कि इससे अभियोजन पक्ष के साक्ष्य की विश्वसनीयता पर कोई उचित संदेह पैदा नहीं होता है। अदालत ने उक्त टिप्पणी करते हुए दोषसिद्धि व 10 साल की सजा को चुनौती देने वाली दोषी की अपील याचिका खारिज कर दी। अपीलकर्ता को पावसी अधिनियम की धारा 18 और भारतीय दंड संहिता की धारा 376ए के तहत दोषी ठहराया गया था। नौ साल की नाबालिग ने पुलिस को बताया कि उसके मामा ने सोते समय उसका निम्न उत्पीड़न किया था और उसकी मां ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी। दोषी का तर्क था कि पीड़िता द्वारा इस्तेमाल की गई चादर कभी जब नहीं की गई थी और मेडिकल जांच से पहले उसकी मां ने उसके कपड़े बदले थे। इससे फोरेंसिक जांच के निष्कर्ष अविवशनीय साबित होते हैं। हालांकि, अपील को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि मेडिकल निष्कर्षों को साक्ष्यों की समग्रता के साथ पढ़ा जाना चाहिए और पीड़िता के निचले वस्त्र पर वीर्य के घबकों की मौजूदगी अभियोजन पक्ष के मामले की पूरी तरह से पुष्टि करते हैं। पीड़िता के कपड़े बदलने के विवाद के संबंध में पीठ ने कहा कि नौ वर्षीय बच्ची के कपड़े गंदे मिलने व उसे अस्पताल ले जाने से पहले उन्हें बदलना एक मां का स्वाभाविक व मानवीय पहलु प्रतीत होता है। यह भी कहा कि ऐसा कोई तथ्य रिकार्ड पर नहीं पेश किया गया, जिससे साबित हो कि साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की गई थी या जांच एजेंसी या शिकायतकर्ता दोषी को झूठा फंसाने की कोशिश की गई हो।

20 लाख रुपये से भरा बैग चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली में थाना मौर्य एन्क्लेव पुलिस ने चोरी के एक मामले का पर्दाकाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की रकम 20 लाख 33 हजार नकद बरामद की है। आरोपी की पहचान हरप्रीत सिंह मारवा उर्फ बाबी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने आसान पैसे कमाने और ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के लिए यह अपराध किया था। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपअध्यक्ष भीम सिंह ने बताया कि पीड़ित प्रवीन बंसल ने पुलिस को बताया कि वह लैनयाई इलेक्ट्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नाम के कंपनी के मालिक है। उनका गोदाम मंगलपुरी औद्योगिक क्षेत्र फेज-एक में है। उनके कर्मचारी अमित कुमार को भुगतान वसूली का कार्य सौंपा गया था। 24 अक्टूबर को अमित कुमार ने पहले नौ लाख रुपये सरदा इलेक्ट्रिक स्टोर मुंडका से और उसके बाद 11.73 लाख पीएमपुरा क्षेत्र की कई इलेक्ट्रिक कम्पनी से वसूले। शाम करीब 06-30 बजे उसने बताया कि मुनि माथामाच चौक पीएमपुरा के पास उसकी स्कूटर से नकदी से भरा बैग गायब हो गया। बताया कि कुछ देर बाद पीड़ित को थाना मौर्य एन्क्लेव से काल आया कि किसी व्यक्ति ने एक बैग जमा कराया है। जब वह अपने कर्मचारी के साथ थाने पहुंचे, तो पाया कि यहां हरप्रीत सिंह बाबी नाम का व्यक्ति बैग लेकर आया था। बैग में केवल दस्तावेज थे, जबकि बैग में रखे 20.73 लाख नकद गायब थे। इस पर शिकायतकर्ता को कुछ इनाम के लिए ऑफरित ने नकदी निकाल ली और खाली बैग पुलिस को सौंप दिया। पुलिस को भी शक होने पर टीम ने पीएमपुरा स्थित आरोपित के घर पर छापेमारी की। जहां से 20.33 लाख नकद बरामद किए गए। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली में शराब पीने का विरोध करने पर आरडब्ल्यू अध्यक्ष पर जानलेवा हमला, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीमापुरी इलाके में गली में शराब पीने का विरोध करना आरडब्ल्यू अध्यक्ष व उनके परिवार को भारी पड़ गया। दो आरोपितों ने शराब के नशे में घर में घुसकर आरडब्ल्यू अध्यक्ष व परिवार के तीन सदस्यों पर हमला कर दिया। बताया गया कि घायल हालात में आरडब्ल्यू अध्यक्ष सत्यप्रकाश चौहान, इनके पिता मुन्नालाल, भतीजे आशीष और पत्नी को घायल हालात में जिलाई अस्पताल में भर्ती करवाया गया। आशीष की शिकायत पर सीमापुरी थाना ने हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने दो आरोपित मलकीत उर्फ सन्नी व सूरज को गिरफ्तार किया है। आशीष परिवार के साथ सीमापुरी के डीडीए कार्टर में रहता है। इसके चाचा वसु प्रकाश आरडब्ल्यू अध्यक्ष हैं। आशीष गली से होते हुए अपने घर लौट रहा था। गली में पड़ोस में रहने वाले मलकीत और शंकर शराब पीकर शोर मचा रहे थे। पीड़ित ने मना किया तो आरोपित भड़क गए और पीड़ित के साथ गाली गलौज करते हुए उसे पीट दिया। पीड़ित किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा और घर पहुंचा। आरोप है कुछ देर के बाद आरोपित तलवार लेकर उसके घर पहुंचे और परिवार के लोगों पर हमला कर दिया।

रोहतास नगर में आठ करोड़ की लागत से होंगे विकास कार्य, सड़कों और सीवर लाइन का होगा निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहतास नगर विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को अब नई रफ्तार मिलने जा रही है। दिल्ली सरकार ने क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आठ करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है। इस राशि से मंडोली रोड, बुध बाजार रोड और आसपास की गलियां का निर्माण किया जाएगा। साथ ही सीवर और पानी की पाइपलाइन डालने का कार्य भी पूरा किया जाएगा। विधायक जितेंद्र महाजन ने बताया कि क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं की स्थिति काफी समर्थ से दयनीय बनी हुई थी। सड़कों और नालियों की मरम्मत न होने से लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। उन्होंने कहा कि अब सरकार ने जो निधि स्वीकृत की है, उससे इन सभी समस्याओं का समाधान होगा और स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। महाजन ने कहा कि यह पहली बार है जब मुख्यमंत्री फंड से उन्हें तीन करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है, जबकि पाँच करोड़ रुपये की राशि वह अपनी विधायक निधि से खर्च करेंगे। इन पैसों से क्षेत्र में सीवर और जलापूर्ति तंत्र को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सड़कों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को रोहतास नगर की जमीनी स्थिति से अवगत कराया गया था। मुख्यमंत्री ने बिना किसी देरी के निधि जारी कर दी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अब दिल्ली में विकास के प्रति गंभीरता दिखाने वाली सरकार कार्यरत है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वर्षों से टूटी सड़कों और जाम नालियों के कारण क्षेत्र की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी थी।

दिल्ली की संगत की ओर से गुरुपुरब पर पाकिस्तान जाने के लिए आवेदन करने वाले सभी 170 श्रद्धालुओं को वीजा मिल गए हैं: कालका, काहलों

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर पाकिस्तान जाने के लिए दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की ओर से 170 श्रद्धालुओं ने वीजा के लिए आवेदन किया था। इन सभी श्रद्धालुओं को वीजा मिल गया है। उन्होंने संगत से अपील की है कि वे अपने-अपने पासपोर्ट दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के दफ्तर से प्राप्त कर लें। एक बयान में सरदार कालका और सरदार

काहलों ने बताया कि इस वर्ष पहले भारत सरकार ने गुरुपुरब के अवसर पर पाकिस्तान जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की अपील के बाद भारत सरकार ने जल्द को जाने की अनुमति दे दी। उन्होंने बताया कि कुल 170 श्रद्धालुओं ने दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के माध्यम से वीजा आवेदन किया था और सभी को वीजा प्राप्त हो गया है। श्रद्धालु अपने पासपोर्ट दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के कार्यालय से ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान सरकार ने प्रवेश के लिए 4 नवंबर की तारीख तय की है, लेकिन भारत सरकार प्रयास कर रही है कि

श्रद्धालु 3 नवंबर को ही पाकिस्तान में प्रवेश कर सकें। इस संबंध में अंतिम निर्णय एक-दो दिनों में हो जाएगा। जल्द की यात्रा 10 दिनों की होगी और यात्रा पूरी होने के बाद जल्द भारत लौट आएगा। पाकिस्तान यात्रा के दौरान जल्द के सदस्य श्री गुरु नानक देव जी से संबंधित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि यह जल्द यात्रा के चेयरमैन परमजीत सिंह चड्ढे, रमिंदर सिंह ख्यौटा और जगजीत सिंह दरदी की अगुवाई में जाएगा, जो श्रद्धालुओं के ठहरने सहित सभी सुविधाओं के प्रबंध सुनिश्चित करेंगे।



रेखा गुप्ता सरकार ने तोड़ी तमाम बंदिशें, दी यमुना तट पर छठ पर्व मनाने की अनुमति : मनोज तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। छठ महापर्व के अवसर पर सांसद मनोज तिवारी ने परिवार सहित सोनिया विहार छठ घाट पर भागवान भास्कर और छत्ती मैया की पूजा-अर्चना की। तिवारी ने यमुना के पवित्र जल में खड़े होकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इसके उपरान्त उन्होंने सोनिया विहार से बुराड़ी तक यमुना तटों पर पूजा-अर्चना में लीन श्रद्धालुओं से भेंट की, उनका अभिवादन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा के पश्चात मनोज तिवारी ने कई छठ घाटों का भ्रमण किया और लाखों श्रद्धालुओं को महापर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यू. के. चौधरी, पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी, निगम पार्षद सोनी पांडे, रेखा रानी, प्रीति गुप्ता, ठाकुर बृजेश सिंह सहित कई पार्टी

पदाधिकारी उपस्थित रहे। मनोज तिवारी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि बीते छह वर्षों तक दिल्ली और आसपास के राज्यों से आने वाले आस्थावान लोग यमुना किनारे छठ पूजा करने के अधिकार से वंचित रहे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण लाखों श्रद्धालु यमुना मैया के तट तक पहुंच तो जाते थे, परंतु घाटों तक नहीं जा पाते थे। पुलिस बैरिकेडिंग और सुरक्षा बंदिशों के कारण उन्हें पूजा स्थल से दूर ही रुकना पड़ता था, जिससे श्रद्धालुओं को निराशा का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उस समय लगातार इस निर्णय का विरोध किया और लोगों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। जब दिल्ली की जनता ने भाजपा को जनादेश दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र

दिल्ली नगर निगम उपचुनावों में जीत के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के 12 वार्डों में आगामी 30 नवंबर को होने वाले उपचुनावों के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्येक वार्ड में मजबूती से चुनाव लड़ेगी और सभी 12 वार्डों पर जीत दर्ज करेगी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव की घोषणा का कांग्रेस स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता अब आम आदमी पार्टी और भाजपा, दोनों से निराश है। आम आदमी पार्टी को बहुमत होने के बावजूद सत्ता गंवानी पड़ी, वहीं भाजपा ने पिछले आठ महीनों में जनता की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि कांग्रेस ने 12 वार्डों में उपयुक्त और जीतने वाले उम्मीदवारों के चयन के लिए 12 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जो लोकसभा, जिला और विधानसभा पर्यवेक्षकों के साथ समन्वय स्थापित कर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं से फीडबैक ले रहे हैं। वे स्थानीय समस्याओं, जनता की अपेक्षाओं और संगठन की स्थिति का आकलन कर रहे हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पिछले कई महीनों से बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय बनाने में संजुट रही है। प्रत्येक ब्लॉक में मंडल और सेक्टर स्तर पर समितियों का गठन किया गया है तथा नए ब्लॉक व जिला कांग्रेस अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ जनता के बीच सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर सांप्रद अभियान के तहत मतदाताओं से सीधे संवाद स्थापित कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा और आम आदमी पार्टी, दोनों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि फ्रंटअम आदमी पार्टी ने पिछले 11 वर्षों में दिल्ली को अत्यवस्था के गर्त में धकेल दिया है, जबकि भाजपा सरकार अब तक कोई ठोस विकास कार्य नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फैली गंदगी, बढ़ता वायु प्रदूषण, जहरीली यमुना, जर्जर परिवहन व्यवस्था, कमजोर स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणाली से नागरिक बेहद परेशान हैं। उन्होंने कहा कि वांदीनी चौक में सीलिंग का मुद्दा भी भाजपा के खिलाफ एक प्रमुख चुनावी विषय बनेगा। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यदि उपचुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराए जाते हैं, तो कांग्रेस निश्चित रूप से मुंडका, शालीमार बाग, अशोक विहार, वांदीनी चौक, वांदीनी महल, द्वारका-बी, डिवाक कला, नारायणा, संगम विहार-ए, दक्षिण पुरी, ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर सहित सभी 12 वार्डों में विजय प्राप्त करेगी। उन्होंने विचार व्यक्त किया कि दिल्ली की जनता इस बार बदलाव चाहती है और निगम चुनावों में कांग्रेस को पूर्ण समर्थन देगी, ताकि दिल्ली में विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही की राजनीति को नया आयाम मिल सके।

नगर निगम के 12 वार्डों में उपचुनाव की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निगम के 12 वार्डों में रिक्त पड़ी पार्षद सीटों को भरने के लिए उपचुनाव की घोषणा की है। मतदान 30 नवंबर (रविवार) को होगा और 3 दिसंबर (बुधवार) को नतीजे आनेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी विज्ञापित के अनुसार उपचुनाव इन्हें वार्डों में होंगे- मुंडका, शालीमार बाग-बी (महिला), अशोक विहार (महिला), वांदीनी चौक, वांदीनी महल, द्वारका-बी (महिला), दिवाऊ कला (महिला), नारायणा, संगम विहार-ए, दक्षिण पुरी (एससी), ग्रेटर कैलाश (महिला) और विनोद नगर। नामांकन प्रक्रिया 3 नवंबर से शुरू होगी और 10 नवंबर तक नाम दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन की जांच 12 नवंबर को होगी तथा 15 नवंबर तक नाम वापिस लिए जा सकते हैं। वहीं मतदान सुबह 7-30 बजे से शाम 5-30 बजे तक होगा।

युवा कांग्रेस ने महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय युवा कांग्रेस ने मंगलवार को डॉ. संपदा मुंडे के साथ हुए उपडीन और आत्महत्या के लिए न्याय दिलाने की मांग को लेके महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भातु चिब ने कहा कि डॉ. संपदा मुंडे की मौत सिर्फ एक आत्महत्या नहीं, सत्ता द्वारा सच की हत्या है। ये घटना सभ्य समाज पर कलंक है, जहां अमानवीय, असंवैदनीश और सड़ चुके सिस्टम ने एक होनहार बेटी की जान ले ली। दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अश्वय लाकड़ा ने कहा कि महाराष्ट्र के सत्तार में लोगों की जान बचाने वाली महिला डॉक्टर संपदा मुंडे ने बलात्कार और उपडीन से तंग आकर खुदकुशी कर ली। अपने सुसाइड नोट में संपदा मुंडे ने बताया कि एक पुलिसकर्मी ने उनका कई बार बलात्कार और शोषण किया। ऐसी वीभत्स घटनाएं बीजोंपी सरकार में महिलाओं पर बढ़ते अपराध की कलई खोल रही हैं, जिसमें रक्षक ही भक्षक बन चुके हैं। हम पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं, न्याय दिलाकर रहेंगे, और जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता हम लगातार इस ही प्रकार प्रदर्शन करते रहेंगे। इस दौरान प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता युवा कांग्रेस के कार्यालय से रायसीना रोड की तरफ जा रहे लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग कर रोक दिया।



धरा रह गया सरकार का प्रबंधन, मोदी नहीं पहुंचे वासुदेव घाट : देवेन्द्र यादव

–पूर्वांचलवासियों के प्रति प्रधानमंत्री का वास्तविक लगाव हुआ उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि छठ पूजा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यमुना के वासुदेव घाट पर न पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली और देशभर के पूर्वांचलवासी भाई-बहनों के प्रति भाजपा और प्रधानमंत्री का लगाव केवल शब्दों तक सीमित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के न आने से जहां पूर्वांचल समाज निराश हुआ, वहीं यह भी स्पष्ट हो गया कि भाजपा सरकार के तमाम दावे केवल दिखावे के लिए थे। राजधानी दिल्ली में वायु और जल प्रदूषण की भयावह स्थिति के बावजूद हजारों श्रद्धालु यमुना तट पर प्रधानमंत्री के आगमन की प्रतीक्षा करते रहे, लेकिन उनका



इंतजार व्यर्थ गया और दिल्ली सरकार द्वारा किए गए सभी-विशेष प्रबंध-धरे के धरे रह गए। देवेन्द्र यादव आज बादली स्थित बिहार जन जागरण समिति के छठ महापर्व कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने उठते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वासुदेव घाट पर प्रधानमंत्री का न पहुंचना कहीं बिहार विधानसभा चुनावों में भाजपा की संभावित हार का संकेत तो नहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बिहार के

स्तर पर कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल, पर्याप्त रोशनी, तंबू और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए, परंतु सरकार ने केवल कुछ स्थानों पर दिखावाटी सफाई अभियान चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी समझ ली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके मंत्री मोडिया कैमरों के सामने दिखावे की राजनीति करते रहे, जबकि हकीकत यह रही कि श्रद्धालु खुरद व्यवस्था संभालने को विवश रहे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यह पूरा प्रकरण इस बात का प्रतीक है कि भाजपा और दिल्ली सरकार जनभावनाओं की नहीं, बल्कि छवि की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचलवासियों अब इस दिखावे की राजनीति को भलीभांति पहचान चुके हैं और आने वाले चुनावों में इसका उत्तर जरूर देंगे।

सीएम रेखा गुप्ता ने छठ पूजा के बाद यमुना के घाटों पर चलाया सफाई अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ पूजा के सम्मान के बाद मंगलवार सुबह यमुना के वासुदेव घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। स्थानीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा सहित अनेक विभागीय अधिकारी, निगम कर्मी और स्वयंसेवी भी अभियान में शामिल हुए। उन्होंने घाट के किनारे मौजूद बोतलें, फूल, दीये सहित तमाम ठोस अपशिष्ट को एकत्र किया और घाट को स्वयं झाड़ू लगाकर साफ किया। मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ‘‘स्वच्छता कार्य पूरे वर्ष, चौबीस घंटे होना चाहिए। यह केवल एक दिन का कार्य नहीं, निरंतर सामूहिक प्रयास है जिसे सरकार और जनता दोनों को मिलकर करना होगा।’’



यमुना के वासुदेव घाट पर ठोस अपशिष्ट की सफाई का प्रथमिकता दी और सभी नागरिकों से इसमें भागीदारी की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व महापौर राजा इकबाल सिंह ने भी छठ पर्व के बाद यमुना तट पर श्रमदान करते हुए कचरा एकत्र करने के कार्य का शुभारंभ किया। दिल्ली नगर निगम ने पल्ल से कालिंदीकुंज तक यमुना के पार 17 स्थानों पर

छठ घाट तैयार किए और शहर में करीब 1500 अन्य घाट बनाए। सरकार का दावा है कि लगातार चल रहे क्लीन-अप मिशन की वजह से यमुना का पानी छठ पूजा योग्य बना है, हालांकि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के हालिया आंकड़ों के मुताबिक कई घाटों के पास जैविक प्रदूषण की मात्रा अब भी खतरों की सीमा से ऊपर है। विषय ने सवाल उठाए कि सफाई अभियान स्थायी समाधान नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति है। बावजूद इसके, दिल्ली सरकार ने प्रदेश की आस्था और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए घाटों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सुनिश्चित किया है कि भविष्य में ऐसे अभियानों को और प्रभावी और सतत तौर पर चलाया जाएगा, ताकि राजधानी में स्वच्छता और आस्था दोनों का सम्मान किया जा सके।

छठ पूजा के बाद यमुना घाटों पर चला सफाई अभियान, संदीप कपूर ने टीम संग संभाली कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में आस्था और स्वच्छता का सुंदर संगम देखने को मिला, जब छठ महापर्व के सम्मान के कुछ ही घंटे बाद कृष्णा नगर से निगम पार्षद एवं डेम्स समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर ने अपनी टीम के साथ यमुना के गीता कॉलोनी तट पर विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की। कपूर ने स्वयं घाटों पर उतरकर सफाई कार्य में भाग लिया और श्रद्धालुओं द्वारा छोड़े गए फूल, दीये, जल बोतलें तथा अन्य अपशिष्ट सामग्री एकत्र कर निगम के टिम्पर वाहन में डाली। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के सह-प्रभारी किशन हरम सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता और नगर निगम की सफाई टीम मौजूद रही। सभी ने सामूहिक रूप से घाट की सफाई करते हुए पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया। संदीप कपूर ने कहा कि छठ पर्व चार दिनों तक पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। अब हमारा दायित्व है कि पूजन के बाद यमुना तटों और शहर के अन्य घाटों पर जमा कूड़ा-करकट को समय पर हटवाया जाए, ताकि नदी और पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर इस अभियान में सहयोग करें, तो दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना आसान होगा। कपूर ने बताया कि उन्हें यह प्रेरणा दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से मिली है, जिन्होंने स्वयं वासुदेव घाट पर पूजा के पश्चात सफाई अभियान में भाग लिया था। उन्होंने कहा, ‘मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मानना है कि स्वच्छता कार्य

किसी एक दिन का नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास है। सरकार और जनता दोनों को मिलकर इस दिशा में संकल्पबद्ध होना होगा।’ संदीप कपूर ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का स्वच्छता मंत्र उनके कार्य की आधारशिला है और उसी दिशा में भाजपा कार्यकर्ता निरंतर जुटे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा संगठन, नगर निगम और जनप्रतिनिधि एकजुट होकर इस अभियान को सफलता की ओर ले जा रहे हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और महापौर राजा इकबाल सिंह ने भी यमुना घाटों, चारों तथा कुत्रिम तालाबों से कचरा हटाने के लिए व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया है। दिल्ली सरकार द्वारा



इस वर्ष यमुना तट पर 17 प्रमुख छठ घाट और शहर के भीतर लगभग 1500 अन्य पूजा स्थलों की व्यवस्था की गई थी। इन स्थलों की सफाई और रखरखाव के लिए निगमकर्मियों लगातार जुटे हुए हैं।

संदीप कपूर ने कहा कि इस प्रकार के प्रयास तभी सफल होंगे जब जनता भी अपनी जिम्मेदारी समझे और स्वच्छता को अपनी जीवनशैली और हिस्सा बनाए। उन्होंने कहा, ‘छठ केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि यह

हमें स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी का भी पाठ पढ़ता है। यदि हम सब मिलकर संकल्प लें, तो दिल्ली को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण-मुक्त बनाना संभव है।’

ऑपरेशन किरण के तहत दो परिवारों का सुलह- समझौता करा कर दो परिवारों को बिखरने से बचाया

रघुवाणी संवाददाता



अमरौहा/रहारा। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया व क्षेत्राधिकारी धनोरा के निकट पर्यवेक्षण में ऑपरेशन किरण के तहत थाना रहरा जनपद अमरौहा में 01 प्रार्थना पत्र की काउंसलिंग कारायी गयी। काउंसलिंग के दौरान थाना रहरा द्वारा दो जोड़ों का सुलह समझौता कराया गया एवं दोनों पक्षों का कुशल, राजी खुशी, प्रमपूर्वक नवजीवन उनके घर रवाना किया गया।

पौरा गंगा घाट का बीडीओ ने निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

रघुवाणी संवाददाता



गंगा घाट का निरीक्षण करते बीडीओ अश्वनी कुमार

अमरौहा/रहारा/मुबारिजपुर। आगामी कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले के लिए प्रशासन की तरफ तैयारियां पर जोर दिया जा रहा है। बुधवार को क्षेत्र के पौरा गंगा घाट की सुरक्षा व्यवस्था का गंगेश्वरी विकासखंड अधिकारी अश्वनी कुमार ने गंगा घाट पर लगने वाले मेले की तैयारियों का जायजा लिया वारोकी से समीक्षा की और आवश्यक दिशा- निर्देश दिया श्रद्धालुओं को सुविधा के लिए 22 शौचालय एवं गहरे पानी में लाल झंडियां बैरिकेडिंग लगाए श्रद्धालुओं को गहराई की सीमा का स्पष्ट संकेत मिल सके। साथ ही गोताखोरों को मौके पर तैनात रखा जाए और बल्लियों लगाकर घाटों को सुरक्षित बनाया जाए अधिकारियों ने पुलिस चौकी पर मेला कमेटी के सदस्यों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए और साफ-सफाई, रोशनी व सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर जोर दिया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो इस मौके पर ग्राम प्रधान नुरुरत अली रोजगार सेवक चरनसिंह मुकेश विजय अशोक आदि लोगों उपस्थित रहे।

पशु आरोग्य शिविर का फीता काटकर किया उद्घाटन

रघुवाणी संवाददाता



पशु आरोग्य शिविर का फीता काटकर उद्घाटन करते पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी

अमरौहा/रहारा/मुबारिजपुर। ब्लॉक गंगेश्वरी क्षेत्र के करनपुर खार में पशु आरोग्य शिविर का फीता काटकर उद्घाटन किया। बता दें कि इस सुविधा से गांव की जनता को असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। पशुओं की समस्या को अब ग्रामीण जनता के लिए ज्यादा दूर की ओर नहीं जाना होगा। कार्यवाई संस्था उत्तर प्रदेश सरकार ने पशु आरोग्य शिविर की सुविधा दी है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा व्यवस्था बहुत ज्यादा बेहतर होगी। कहा कि हमारी सरकार ने पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं विभिन्न जगहों पर ऐसा काम किया है जो इसके पूर्व के सरकारों ने नहीं किया इस मौके पर ग्राम प्रधान विजेन्द्र सिंह, भाजपा नेता मिठनलाल डोरी, पशु विभाग डा.केपी आदि लोग मौजूद रहे।

आकस्मिक निरीक्षण कर उर्वरक व बीज के नमूने भर जांच के लिए भेजे



नगीना। जिला कृषि अधिकारी ने तहसील नगीना क्षेत्र में उर्वरक/ बीज निरीक्षण अभियान के अंतर्गत मैसज सिसोदिया बीज भंडार, नंदन बीज भंडार, पीयूष बीज भंडार, सैनी ट्रेडर्स, पुनीत बीज भंडार नगीना व अग्रवाल एग्रीकल्चर स्टोर का निरीक्षण किया गया। बुधवार को आकस्मिक निरीक्षण के समय संबंधित विक्रेताओं से जिला कृषि अधिकारी जसवीर सिंह द्वारा बीज के 17 एवं उर्वरक का 03 नमूना कुल 20 नमूने गृहीत किए गए एवं जनपद मे पर्याप्त मात्रा एवं रबी सीजन की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक एवं बीज उपलब्ध हैं एवं आगामी मांग के अनुसार भी उर्वरकों की आवक लगातार बनी रहेगी तथा कृषकों को उनकी तत्कालीन आवश्यकता के अनुसार ही फास्फेटिक उर्वरकों, विशेषकर यूरिया, डीएपी, एनपीके, उर्वरक का वितरण निर्धारित दर पर किया जा रहा है निरीक्षण के समय उर्वरक/ बीज /कोटनाशक विक्रेताओं को यह भी निर्दिशित किया गया है कि बिना पोस मशीन के उर्वरकों का वितरण न किया जाए तथा किसी भी दशा में उर्वरकों की बिक्री बल्क मे न किये जाने एवं कृषक को उनकी कीमतवही/खतोनी एवं फसलवार संसृति के अनुसार वितरण रजिस्टर में उनका रिकार्ड अंकित कर उर्वरकों का वितरण किया जाए साथ ही ओवर रेंटिंग एवं मुख्य उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग ना करने के सम्बन्ध मे उर्वरक विक्रेता को चेतावनी देते हुए अवगत कराया गया कि निर्धारित दर से अधिक दर पर बिक्री करता हुआ एवं प्रचलित उर्वरकों के साथ-साथ अन्य उर्वरकों की टैगिंग करता हुआ पाया जाता है तो संबंधित उर्वरक विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई अमल में लायी जाएगी साथ ही उर्वरक विक्रेताओं को यह भी निर्देश दिये गये कि कृषकों को वितरित उर्वरकों/ बीज/ कोटनाशक की रसीद अवश्य उपलब्ध करायी जाय।

घटिया निर्माण पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

ठेकेदार पर मनमानी और घटिया सामग्री लगाने का आरोप, बोले ग्रामीण अब होगी अफसरों से होगी शिकायत

रघुवाणी संवाददाता अमरौहा/गजरोला।

थाना क्षेत्र के चकनवाला रोड स्थित गांव शब्बीर नगर कसेरवा अड्डे पर बन रही आरसीसी सड़क को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार मनमानी करते हुए सड़क की चौड़ाई कम कर रहा है और निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है गांव शब्बीर नगर कसेरवा अड्डे पर इन दिनों आरसीसी सड़क निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर आरोप लगाया है कि वह तय मानकों के विपरीत काम कर रहा है ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की चौड़ाई घटाई जा रही है और सीमेंट-बदरपुर की मात्रा में भारी कमी की जा रही है। कई बार मौके पर लोगों ने आपत्ति जताई, लेकिन

ठेकेदार अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहा बुधवार को अड्डे के तमाम लोगों ने एकजुट होकर ठेकेदार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कहा कि यदि सड़क निर्माण कार्य मानक के अनुरूप नहीं हुआ, तो वे इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से करेंगे और कार्य रुकवाने की मांग करेंगे। सभी ने मिलकर प्रशासन से मांग की कि मौके पर जांच कराई जाए और ठेकेदार की मनमानी पर रोक लगाई जाए ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क गांव की मुख्य सड़क है, जो सैकड़ों लोगों की आवाजाही का मार्ग है। अगर घटिया निर्माण हुआ तो आने वाले समय में सड़क कुछ ही महीनों में टूट जाएगी, जिससे जनता को भारी परेशानी डेलनी पड़ेगी ग्रामीणों की चेतावनी अब बर्दाश्त नहीं करेंगे मनमानी,गांववासियों ने साफ कहा कि अब वे चुप नहीं बैठेंगे। यदि



आरसीसी सड़क का घटिया सामग्री से निर्माण होने पर ठेकेदार के खिलाफ प्रदर्शन करते ग्रामीण

सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुधार नहीं हुआ, तो वे सामूहिक रूप से

लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) और जिलाधिकारी अमरौहा से शिकायत

थाना क्षेत्र के चकनवाला रोड स्थित गांव शब्बीर नगर कसेरवा अड्डे पर बन रही आरसीसी सड़क को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार मनमानी करते हुए सड़क की चौड़ाई कम कर रहा है और निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। गांव शब्बीर नगर कसेरवा अड्डे पर इन दिनों आरसीसी सड़क निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि विकास कार्य जनता के हित में होना चाहिए, न कि ठेकेदारों की जेब भरने के लिए। शब्बीर नगर कसेरवा अड्डे पर आरसीसी सड़क निर्माण में लापरवाही का यह मामला अधिकारियों के लिए एक सबक है। ग्रामीणों की एकजुटता ने साफ संदेश दिया है कि अब जनता

घटिया निर्माण और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेंगी ग्रामीणों ने जताया आक्रोश प्रदर्शन करने वालों में प्रदीप भड़ाना, वीरेंद्र सिंह, तारीफ मेवाती, फरमान गुर्जर, मोहब्बत अली, सुमित भड़ाना, इकरार हाफिज, सोनी, आलम इतेफाक आज़म सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रेम-प्रसंग में ब्लैकमेल से परेशान युवक ने महिला की गला रेतकर की हत्या, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

रघुवाणी संवाददाता महीपाल सिंह राणा

अमरौहा/हसनपुर। थाना पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने प्रेम-प्रसंग में ब्लैकमेल के चलते की गई महिला हत्या की गुल्थी को 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, मोटरसाइकिल, मृतका की चुन्नी, टूटा मोबाइल व आरोपी के खून लगे कपड़े बरामद किए हैं। घटना 28 अक्टूबर 2025 की है, जब ग्राम हथियाखेड़ा में एक अज्ञात महिला का शव सड़क किनारे मिला था। शव की पहचान रीना (35 वर्ष) पत्नी कुंवरपाल निवासी मौहल्ला कोर्ट पूर्वी, थाना हसनपुर, जनपद अमरौहा के रूप में हुई। मृतका का गला धारदार हथियार से कटा हुआ था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मृतका के पति की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमरौहा अमित कुमार आनंद ने अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी हसनपुर के नेतृत्व में



विशेष टीम गठित की। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस के आधार पर जांच करते हुए 24 घंटे के अंदर हत्या का खुलासा कर आरोपी सलीम पुत्र हफीज निवासी मौहल्ला कोर्ट पूर्वी मनिहारन, थाना हसनपुर को धनोरा के होलीचौक से रेलवे स्टेशन जाने वाले रास्ते पर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह फंड लगाकर रेडीमेड कपड़े बेचता है। मृतका का बेटा रितिक उसकी दुकान पर काम करता था, इसी दौरान रीना उर्फ संगीता से उसके अवैध संबंध बन गए। कुछ समय बाद रीना ने पैसे की मांग शुरू कर दी और आरोपी को लगातार ब्लैकमेल करने लगी। दीपावली से पहले उसने तीन लाख रुपये न देने पर संबंधों की तोल खोलने की धमकी दी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आरोपी ने हत्या की योजना बनाई। 27 अक्टूबर की शाम करीब 7:15 बजे वह रीना को मोटरसाइकिल पर बैठाकर हथियाखेड़ा गांव के पास एक झोपड़ी में ले गया, जहां अंधेरे में उसने रीना का गला चाकू से रेत दिया। हत्या के बाद आरोपी ने मोबाइल और चुन्नी

उठाई और फरार हो गया। रास्ते में सरकारी नल पर हाथ-मुंह धोकर घर लौट आया। अगले दिन उसने खून लगे कपड़े, चाकू और चुन्नी को एक छोटे हाथी वाहन में छिपा दिया तथा मृतका का मोबाइल तोड़कर बैटरी झड़ियां में और फोन नाले में फेंक दिया। पुलिस अधीक्षक अमरौहा ने घटना का सफल अनावरण करने वाली टीम को 15,000 रुपये नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ साक्ष्य पुष्टा हैं और उसे जेल भेजा जा रहा है।

उठाई और फरार हो गया। रास्ते में सरकारी नल पर हाथ-मुंह धोकर घर लौट आया। अगले दिन उसने खून लगे कपड़े, चाकू और चुन्नी को एक छोटे हाथी वाहन में छिपा दिया तथा मृतका का मोबाइल तोड़कर बैटरी झड़ियां में और फोन नाले में फेंक दिया। पुलिस अधीक्षक अमरौहा ने घटना का सफल अनावरण करने वाली टीम को 15,000 रुपये नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ साक्ष्य पुष्टा हैं और उसे जेल भेजा जा रहा है।

किराए की गाड़ियों से धोखाधड़ी करने वाला अंतरजनपदीय गिरोह बेनकाब, दो गिरफ्तार; 65 लाख की 6 लगजरी कारें बरामद

रघुवाणी संवाददाता मौ.फाजिल।

अमरौहा। जनपद पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ा खुलासा किया है। थाना डिंडौली पुलिस ने किराए पर ली गई गाड़ियों पर फर्जी नंबर प्लेट और कागजात लगाकर धोखाधड़ी से बेचने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के दो शक्ति अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 6 लगजरी कारें (अनुमानित कीमत करीब 65 लाख रुपये), 4 फर्जी नंबर प्लेट, 2 फर्जी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) और 2 फर्जी आधार कार्ड बरामद किए गए। पुलिस की यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अमरौहा अमित कुमार

आनन्द के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार भदौरिया के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी नगर शक्ति सिंह के पर्यवेक्षण में हुई। मामला 28 अक्टूबर 2025 का है, जब थाना डिंडौली पुलिस की टीम चेकिंग के दौरान चौधपुर तलाब के पास पहुंची। वहां से दो अभियुक्तों-दीनदयाल पुत्र सुखा (निवासी ग्राम मनोहरपुर, थाना मझौला, जनपद मुरादाबाद) और इंदल पुत्र गंगासरण (निवासी ग्राम मझौला, थाना गजरोला, जनपद अमरौहा)-को 6 कारों सहित घर दबोचा गया। ये कारें वर्ष 2023-2024-2025 मॉडल की हैं, जिनमें 3 महिन्द्रा बोलैरो, 1 महिन्द्रा स्कॉर्पियो, 1 मारुति प्रॉन्क्स और 1 मारुति बलैरों शामिल हैं। पूछताछ में



खुलासा हुआ कि गिरोह के सदस्य किराए पर गाड़ियां लेकर बदायूं, संभल और मुरादाबाद के लोगों को अपना शिकार बनाते थे। फर्जी नंबर प्लेट, आरसी और आधार कार्ड बनाकर वे इन गाड़ियों को सस्ते दामों पर बेच देते थे। गिरोह के अन्य चार साथी-नरेंद्र पुत्र भूपाल (ग्राम

गिनीरदामाफी, थाना मझौला, मुरादाबाद), उमेश पुत्र सागर सिंह (मंगपुर, थाना मझौला, मुरादाबाद), जौतु पुत्र इंदर (बुडनपुर, थाना डिंडौली, अमरौहा) और अंकित पुत्र गंगासरण (निवासी ग्राम मझौला, थाना गजरोला, अमरौहा)-मौके से फरार हो गए। उनकी तलाश के लिए पुलिस

टीम छापेमारी कर रही है। बरामद कारों की सूची: महिन्द्रा बोलैरो - UP38AA8753 इस संबंध में थाना डिंडौली पर मुकदमा संख्या 492/2025 धारा 318(4), 336(3), 338, 340(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अभियुक्तों का अन्य आपराधिक इतिहास जांचा जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम: प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह उ0फि0 प्रवीण कुमार उ0फि0 नरेन्द्र सिंह हे0का0 466 सदीप हे0का0 461 विकास चौधरी का0 232 विकास दीक्षित पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना की और कहा कि अपराधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

पत्रकारों की सुरक्षा संस्थानों के द्वारा ही सुरक्षित है देश का चौथा लोकतंत्र

रघुवाणी संवाददाता बिजनौर:

डॉ राम मनोहर लोहिया के अनुसार जब पत्रकारों मीडिया प्रेस के माध्यम से रोड को खामोश कर दिया जाता है तो हमारी संसद सरकारें अवाग हो जाती है और न्याय प्रणाली पर भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न खड़े हो जाते हैं क्या इसमें भी कोई शक है कि भारत एक लोकतांत्रिक धर्मांतरप्रेक्ष देश है ? और लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी बैकबोन मीडिया और पत्रकारिता ने ही संचाल रखा है परंतु वर्तमान समय में पत्रकारिता पर भी दबाव के चलते प्रश्न खड़े किए जा रहे हैं यदि पत्रकारिता पर अभी से कार्य नहीं किया गया तो यह भविष्य में एक माफिया जगत का व्यापार बनकर रह जाएगा इसका प्रमुख कारण यह भी है कि पत्रकारों के हक अधिकार को आवाज उठाने वाले संगठनों को सरकार की तरफ से महत्व न देना उनकी मांगों को दबा देना जिससे पत्रकार बंधु भी

अपने आपको आज असुरक्षित असाहय महसूस कर रहे हैं ऐसे में पत्रकार संगठन के द्वारा देश के चौथे स्तंभ लोकतंत्र के लिए जमीन पर लड़ाई लड़ना अनिवार्य हो जाती है एक पत्रकार का महत्वपूर्ण कार्य है कि वह सरकार की आंखों में आंख डालकर प्रश्न कर सके जनता के हक अधिकार के फैसले को उजागर करके जनता के समक्ष प्रस्तुत कर सके चाहे वह तरीका लेखनी, वीडियोग्राफी का हो या सोशल मीडिया का हो अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि आज सोशल मीडिया पर पहुंच बनाने वाले पत्रकारों के अकाउंट को भी प्रतिबंधित बैन कर दिया जाता है साथ ही साथ वेब पोर्टल के पत्रकारों पर भी दबाव बनाया जा रहा है वेब पोर्टल के माध्यम से बनाए गए पत्रकारों को आधिकारिक मान्यता न दिए जाने के कारण पत्रकारों से बदसलूकी, अपमान, शोषण धमकियां

बेरोजगारी और मुकदमे तक लगा दिए जाते हैं जो दिन पर दिन चिंता का विषय बनता चला जा रहा है जो हमारे पत्रकार बंधु बगैर किसी स्वार्थ के दिन रात जमीन पर उतर के लोकतंत्र के खातिर अपनी जान की परवाह न किए हुए भी लगातार अपने हुनर कौशल से जनता के समक्ष सच्चाई प्रस्तुत करने का साहस कर रहे हैं ऐसे में बहुआयामी संस्था परिवार की ओर से यह मांग की जा रही है कि पत्रकारों के भी कुछ विशेष अधिकार होने चाहिए पत्रकार कोई जेड प्लस सिविलोरीटी की मांग नहीं करता लाखों रुपए सैलरी की मांग नहीं करता वीआईपी ट्रीटमेंट की भी मांग नहीं करता वह तो बस यह चाहता है कि उसको स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने दी जाए उसके शारीरिक आर्थिक शोषण को रोक जा सके उसका जो उचित मेहनताना है वह उस तक आसानी से पहुंचाया जाए

किसान नेता चौ. बिजेंद्र सिंह कलकल ने फीता काटकर किया सिल्ट सफाई कार्य का शुभारम्भ



रघुवाणी संवाददाता अफजलगढ़ (बिजनौर)

अफजलगढ़ सिंचाई खण्ड धामपुर के नियंत्रणधीन रबी 1433 फसली में रसूलपुर रजवाह पर सिल्ट सफाई कार्य का किसान नेता चौ. बिजेंद्र सिंह कलकल द्वारा फीता काटकर विधि-विधान पूर्वक शुभारम्भ किया गया। चौ. बिजेंद्र सिंह ने सभी क्षेत्रीय कृषकों से नहरों की सिल्ट सफाई एवं स्क्रैपिंग कार्य

में सिंचाई विभाग का सहयोग करने का आवाह किया तथा विभागीय अधिकारियों से निर्धारित समयवधि में कार्य पूर्ण कराकर गेहूं की बुवाई से पूर्व पलेवा हेतु नहरों में जलापूर्ति करने का अनुरोध किया। इस दौरान शिवसेना जिलाध्यक्ष चौ.संजय राणा ,सरदार कुलदीप सिंह, महेंद्र सिंह सिरौही, मनवीर सिंह यादव, अनिल फोगाट, नि.व.अध्यक्ष गन्ना समिति अनिल

राठी, सरदार कुलजीत सिंह, भारतीय किसान यूनियन के मित्रिका प्रभारी दीपक सिरौही, ओमप्रकाश धनकड़, सचिन मसंद, सपा नेता अतुल शर्मा, रामभज सिंह, विपिन कलकल, सज्जु यादव, इन्द्रपाल यादव, बलराम सिंह राठी, आदर्श सिंह, सुभाष नैन, विजय यादव, ठेकेदार राजेन्द्र सिंह, विभागीय जूनियर इंजीनियर एवं कर्मचारी आदि मौजूद रहे



श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ से तंबुओं की नगरी में बदला मेला क्षेत्र

--तिगरी धाम में बसा तंबुओं का अस्थाई शहर--



गंगा धाम तिगरी में तस्वीरों में दिखाता तंबुओं के अस्थाई शहर का दृश्य



खुबाणी संवाददाता

अमरोहा/गजरोला/तिगरी धाम।

स्थित गंगा धाम तिगरी मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। दूर-दराज से आ रहे श्रद्धालुओं के पहुंचने के साथ मेला क्षेत्र अब तंबुओं की विशाल नगरी में तब्दील हो गया है। गंगा धाम तिगरी मेला-2025 में इस समय रौनक चरम पर है। मेले का दृश्य देखते ही बनता है जहां तक नजर जाती है, वहां श्रद्धालुओं के टेंट और तंबू नजर आ रहे हैं।

गंगा तट के किनारे श्रद्धालु अपने-अपने परिवारों के साथ पहुंच रहे हैं और धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं हालांकि इस बार गंगा के कटान और बाढ़ जैसे हालात के कारण बालू वाले खुले स्थल श्रद्धालुओं को सीमित मात्रा में ही मिल पाए हैं। गंगा किनारे की जमीन में अभी भी नमी बनी हुई है, जिसके कारण श्रद्धालु अपने तंबू गाड़ने में परेशानी का सामना कर रहे हैं। कई श्रद्धालु ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर अपने टेंट लगाने को मजबूर हैं

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से मेला क्षेत्र में जगह की कमी महसूस की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद आस्था और उत्साह में कोई कटान और बाढ़ जैसे हालात के कारण बालू वाले खुले स्थल श्रद्धालुओं को सीमित मात्रा में ही मिल पाए हैं। गंगा किनारे की जमीन में अभी भी नमी बनी हुई है, जिसके कारण श्रद्धालु अपने तंबू गाड़ने में परेशानी का सामना कर रहे हैं। कई श्रद्धालु ऊंचे और सुरक्षित स्थानों पर अपने टेंट लगाने को मजबूर हैं

लगातार मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या भीड़भाड़ से श्रद्धालुओं को परेशानी न हो पुलिस प्रशासन की सतर्कता और व्यवस्था के कारण अब तक मेले में कोई अग्रिम घटना की सूचना नहीं है। सुरक्षा के साथ-साथ सफाई व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इमरॉजेंसी का संसार भी तैयार गंगा धाम तिगरी मेला धार्मिक आस्था के साथ-साथ मनोरंजन का भी केंद्र बन गया है। मेले में मौत

का कुआं, झूला, ब्रेक डांस, हिंडोला, नाव झूला, सर्कस जैसे कई मनोरंजक झूले तैयार हो चुके हैं, जिनका आनंद बच्चे और बड़े सभी ले रहे हैं गंगा धाम तिगरी मेला एक जहां श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर यह ग्रामीण संस्कृति और उत्सव का अनेखा संगम भी दिखा रहा है। लगातार बढ़ती भीड़ और प्रशासनिक सतर्कता के बीच मेला क्षेत्र अब तंबुओं की नगरी के नाम से चर्चित हो चुका है।

मेला स्थल का पुलिस उपमहानिरीक्षक शालिनी एवं एस पी अभित कुमार आनंद ने किया निरीक्षण

खुबाणी संवाददाता

अमरोहा/गजरोला/तिगरी धाम।

ऐतिहासिक तिगरी मेला में

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात

व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं समचित

पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक

प्रभावी बनाने के लिए पुलिस

उपमहानिरीक्षक पी.एस. मुरादाबाद

शालिनी एवं पुलिस अधीक्षक

अमित कुमार आनंद ने मेला क्षेत्र

एवं घाटों का निरीक्षण कर

सम्बन्धित को आवश्यक दिशा

निर्देश दिये

तिगरी धाम में लगे ऐतिहासिक मेले को शांतिपूर्वक सुदृढ़ एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक शालिनी पी एस मुरादाबाद और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने भारी पुलिस बल के साथ मेला क्षेत्र



स्नान घाट का निरीक्षण करते पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएस.एस. मुरादाबाद

का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक ने कोतवाली मेला, विभिन्न घाटों, सेक्टरों, पार्किंग स्थलों एवं मुख्य मार्गों पर की गई बैरिकेडिंग व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन, ड्यूटी प्वाइंट, प्रकाश

व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग आदि के संबंध में पुलिसकर्मियों को दिशा निर्देश दिये इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक पी.एस. मुरादाबाद एवं पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी में लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेला जैसे विशाल आयोजन में अनुशासन, तत्परता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी अपने दायित्वों का निर्वहन करें उन्होंने

यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना या समस्या पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे मेला पूर्णतः सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगम बना रहे। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया एवं क्षेत्राधिकारीगण, कोतवाल मेला, सेक्टर प्रभारीगण, यातायात अधिकारीगण तथा अन्य पुलिस बल उपस्थित रहे।

"अर्धकुंभ" की संज्ञा: पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तिगरी में ऐतिहासिक मेले को अर्धकुंभ के नाम से भी जाना जाता है : विपिन सागर

खुबाणी संवाददाता ओमपाल सिंह

अमरोहा/गजरोला।

विधानसभा क्षेत्र

धनोरा के गजरोला ब्लॉक में लगने

वाले ऐतिहासिक तिगरी मेले का

इतिहास त्रेतायुग और महाभारत काल

से जुड़ा हुआ है। पौराणिक कथाओं

के अनुसार, यह मेला त्रेतायुग में श्रवण

कुमार के अपने नेत्रहीन माता-पिता को

तीर्थ यात्रा कराने समय यहां रुकने के

कारण शुरू हुआ था। महाभारत काल

में, पांडवों ने भी मृत सैनिकों की आत्मा

की शांति के लिए इसी स्थान पर दीपदान

किया था, जिसके बाद से

कार्तिक पूर्णिमा से एक दिन पहले

दीपदान की परंपरा चली आ रही है। यह मेला कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगता है और लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आते हैं। श्रद्धालु गंगा आरती में भाग लेते हैं और दीपदान करते हैं। यह मेला धार्मिक महत्व के साथ-साथ सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का भी संगम है। इसमें व्यापारियों के स्टॉल, झूले और लोक कला का प्रदर्शन होता है। औद्योगिक क्षेत्र गजरोला के अंतर्गत आने वाले तिगरी गंगा धाम में लगने वाले ऐतिहासिक मेले में प्रदेश के अन्य जिलों से श्रद्धालु पहुंच चुके हैं और



लगातार आ रहे हैं ग्रामीण क्षेत्र के लोग और किसान अपने अपने खेतों में गेहूं की फसल की बुवाई करने के बाद अब अपने ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार

होकर मेले का आनंद लेने के लिए मेला स्थल पर पहुंच रहे हैं जहां पर उन्होंने अस्थाई तंबू लगाकर मेले का आनंद ले रहे हैं मेले पर हर प्रकार की दुकान धीरे-धीरे सज चुकी हैं बड़े जवान और बच्चों की भीड़ भी मेला स्थल पर इकट्ठी होने लगी है इतना ही नहीं बूढ़े तो वहां बैठकर हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं विपिन सागर ने मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं से निवेदन करते हुए कहा कि श्रद्धालु स्नान करने के लिए गहरे पानी में ना जाएं क्योंकि गहरे पानी में खतरा है। अपने आप का खयाल रखें।

तिगरी मेला में एसपी ने रात को सेक्टर एवं घाट प्रभारियों के साथ की गोष्ठी



सेक्टर एवं घाट प्रभारी के साथ गोष्ठी करते एसपी अमित कुमार आनंद

खुबाणी संवाददाता

अमरोहा/गजरोला/तिगरी धाम।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार

आनंद ने तिगरी मेला-2025 को

सकुशल एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न

कराने के उद्देश्य से मेला क्षेत्र में

नियुक्त समस्त सेक्टर प्रभारियों एवं

घाट प्रभारियों के साथ एक समीक्षा

गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी के दौरान

पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित

अधिकारियों को श्रद्धालुओं की

सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, भीड़

नियंत्रण, लावारिस वस्तुओं की जांच, गुमशुदा व्यक्तियों की सहायता, प्रकाश की व्यवस्था तथा मिशन शक्ति केन्द्रों के संचालन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए उन्होंने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने-अपने सेक्टरों एवं घाटों पर सतत गश्त एवं निगरानी रखें तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। एस पी ने यह भी कहा कि मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं

को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रत्येक पुलिसकर्मी विनम्र व्यवहार एवं सहयोगपूर्ण रवैया अपनाएँ। साथ ही उन्होंने महिला श्रद्धालुओं एवं बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। अंत में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि सभी अधिकारीगण टीम भावना से कार्य करते हुए मेला-2025 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न कराएँ।

तिगरी मेला में एस पी और एडीएम ने निशुल्क चिकित्सा शिविर का किया उद्घाटन

खुबाणी संवाददाता
अमरोहा/गजरोला/
तिगरी धाम।

ऐतिहासिक तिगरी मेला-2025 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत बुधवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद एवं अपर जिलाधिकारी अमरोहा ने मेला क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात समस्त अधिकारीगण एवं पुलिस कर्मियों की संयुक्त रूप से ब्रीफिंग की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारी/कर्मचारियों को अपने-अपने दायित्वों के प्रति सजग, सतर्क एवं संवेदनशील रहते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि तिगरी मेला जनपद का ऐतिहासिक व धार्मिक आयोजन है, अतः मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए पुलिस अधीक्षक ने सभी ड्यूटी कर्मियों को यह भी निर्देशित किया कि भीड़-भाड़ वाले स्थानों, घाटों, पार्किंग स्थलों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में सतत पेट्रोलिंग, ड्रोन



तिगरी मेले में निशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते एसपी और एडीएम

मॉनिटरिंग एवं सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए तथा खोए हुए बच्चों व वृद्धों की सहायता के लिए मेला नियंत्रण कक्ष एवं मिशन शक्ति केन्द्र सक्रिय रूप से कार्य करें इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने तिगरी मेला परिसर में निशुल्क चिकित्सा कैम्प का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस कैम्प में श्रद्धालुओं एवं ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के लिए प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य जांच एवं औषधि वितरण की व्यवस्था की है इस अवसर पर एडीएम अमरोहा,

अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा, अपर पुलिस अधीक्षक बिजनौर, क्षेत्राधिकारीगण, कोतवाल मेला, मेला अधिकारीगण, चिकित्सा विभाग के अधिकारी, ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल एवं मेला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपने व्यवहार एवं कार्यशैली से पुलिस की जनसेवा एवं सहयोगी छवि को और सशक्त बनाएं तथा मेला को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

तिगरी मेले में आप सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत, मेले को स्वच्छ रखें और प्लास्टिक पॉलिथीन मुक्त बनाएं :

हरि सिंह दिल्ली शिक्षक विधायक

गंगा मैया में स्नान करते समय ज्यादा गहरे पानी में न जाएं
श्रद्धालु : अभिनव कौशिक जिला महामंत्री भाजपा

अमरोहा/गजरोला/तिगरी धाम।



शिक्षक विधायक हरि सिंह दिल्ली व भाजपा जिला महामंत्री अभिनव कौशिक ने तिगरी धाम में लगने वाले ऐतिहासिक गंगा स्नान के मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत अभिनंदन किया है। शिक्षक विधायक ने कहा कि मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का मैं हार्दिक स्वागत अभिनंदन करता हूँ। यह सदियों पुराना मेला है जोकि महाभारत काल से लगता चला आ रहा है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा का मुख्य स्नान होता है इसकी बहुत सारी खूबियां हैं मेला स्थल को स्वच्छ रखें और इसको प्लास्टिक की पॉलिथीन से मुक्त बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। मेला स्थल पर पूरा प्रशासन आपकी सुरक्षा और मेले को भव्य आकर्षक और सकुशल संपन्न करने के लिए रात और दिन लगा हुआ है। मेले को सकुशल संपन्न कराने और इसको साफ और स्वच्छ बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसीलिए हम मेले में लगे सभी प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग करें। अभिनव कौशिक ने मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं से निवेदन करते हुए कहा कि श्रद्धालु स्नान करने के लिए गहरे पानी में ना जाएं क्योंकि गहरे पानी में खतरा है। अपने आप का खयाल रखें। आने वाले सभी श्रद्धालुओं से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि मेले में गंदगी ना करें इसको स्वच्छ बनाए रखें मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का एक बार पुनः स्वागत करता हूँ।

चेतगंज पुलिस ने एक वाहन चोर को दो स्कूटी के साथ किया गिरफ्तार

वाराणसी : पुलिस आयुक्त वाराणसी द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त काशी जौन के निर्देशन में अपर पुलिस उपायुक्त जौन काशी के पर्यवेक्षण में सहायक पुलिस आयुक्त चेतगंज व प्रभारी निरीक्षक थाना चेतगंज के कुशल नेतृत्व में थाना चेतगंज पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर थाना चेतगंज पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0-0244/2025 धारा-303(2) बीएनएस थाना चेतगंज वाराणसी से संबंधित एक अभियुक्त विशाल विश्वकर्मा उर्फ किसी पुत्र राजकुमार विश्वकर्मा निवासी खोजवां जगन्नाथ साव बतन वाले के पास थाना भेलपुर कमि0 वाराणसी उग्र करीब 22 वर्ष की चोरी की दो स्कूटी के साथ 29 अक्टूबर को में पिशाचमोचन स्थित देशी शराब ठेके के पास से गिरफ्तार कर थाना चेतगंज लाया गया अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी घटना के संबंध में पुलिस के द्वारा बताया गया की 28 अक्टूबर 2025 को वादी मुकदमा की लिखित तहरीर के आधार पर थाना चेतगंज पर मु0अ0सं0-0244/2025 धारा-303(2) बीएनएस थाना चेतगंज वाराणसी बन्नाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उसी चोरी की स्कूटी के साथ एक व्यक्ति पिशाचमोचन स्थित देशी शराब ठेके के पास खाली मैदान में किसी का इंतजार कर रहा है। मुखबिर की इस सूचना पर विश्वास करके मुखबिर को साथ लेकर थाना चेतगंज पुलिस टीम द्वारा सम्बंधित स्थान पर पहुंचकर एकबारगी दबिश देकर मौके से उस व्यक्ति को पकड़ लिया गया तथा पकड़े गये व्यक्ति का नाम पता कड़ाई से पूछने पर विशाल विश्वकर्मा उर्फ किसी पुत्र राजकुमार विश्वकर्मा निवासी खोजवां जगन्नाथ साव बतन वाले के पास थाना भेलपुर कमि0 वाराणसी उग्र करीब 22 वर्ष बताया तत्पश्चात अभियोग उपरोक्त में कारण गिरफ्तारी बताते हुए अभियुक्त उपरोक्त को 29 अक्टूबर 2025 को पुलिस हिरासत लिया गया अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी

गोमती जौन के समस्त थानों पर गठित

साइबर पुलिस टीमों द्वारा साइबर फ्रॉड से बचाव हेतु चलाए गए जागरूकता अभियान



वाराणसी : शासन की मंशा एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार, प्रत्येक बुधवार को आयोजित किए जाने वाले विशेष साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत गोमती जौन के अंतर्गत आने वाले समस्त थानों की साइबर पुलिस टीमों द्वारा क्षेत्र के शैक्षिक संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर साइबर फ्रॉड से बचाव हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए कार्यक्रम में संबंधित साइबर टीमों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं, छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकगण को साइबर अपराधों की कार्यप्रणाली, सामान्य ठगी के तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई पुलिस द्वारा दिए गए मुख्य सुझाव अपना ओटीपी किसी के साथ साझा न करें, बैंक खाता, क्रेडिट कार्ड या यूट्यूब आई से संबंधित जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को न दें यदि कोई व्यक्ति बैंक या अन्य संस्था के नाम पर फोन कर गोपनीय जानकारी मांगे, तो तुरंत फोन काट दें क्योंकि कोई भी बैंक अथवा अधिकृत संस्था इस प्रकार की जानकारी नहीं मांगती किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें यदि साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाएं तो तत्काल निम्न माध्यमों से सूचना दें राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत कॉल करें अथवा ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें: इस अवसर पर उपस्थित महिलाएं, छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकगण द्वारा पुलिस के इस जनहितकारी अभियान की सराहना की गई

दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोलवाडर्ट ने विश्व कप में बनाए सबसे ज्यादा 50 प्लस रन, मिताली राज की बराबरी की



गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवाडर्ट ने अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल की है क्योंकि उन्होंने महिला वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मिताली का 2022 वनडे वर्ल्ड कप करियर का आखिरी टूर्नामेंट बनाया था और उन्होंने 50 ओवर के वर्ल्ड कप में 13 बार 50 से ज्यादा रन बनाकर अपने करियर का अंत किया था। वोलवाडर्ट, जो एक नया बेचमार्क बनाने के करीब थीं, उन्होंने अब बारसापाड़ा स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के दौरान अपना 13वां 50+ स्कोर बनाकर इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इस 26 साल की खिलाड़ी ने मौजूदा 2025 महिला वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में तीन हाफ-सेचुरी बनाई और बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे नॉकआउट मैच में इस सीजन का अपना चौथा 50+ स्कोर बनाया। यह प्रोटेरियाज बल्लेबाज मिताली राज के साथ इस खास लिस्ट में टॉप पर है जबकि डेबी हॉकले और शार्लोट एडवर्ड्स 12 और 11 फिफ्टी प्लस स्कोर के साथ अगले दो स्थानों पर हैं।

बड़े मुकाबलों में भी निडर होकर खेलने वाली टीम बनाना चाहते हैं गंभीर



सूर्यकुमार यादव ने रचा इतिहास, टी20 में ऐसा करने वाले मात्र दूसरे भारतीय बने

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 150 छक्के पूरे करते हुए इतिहास रच दिया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले रोहित शर्मा के बाद दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

पहले टी20 में सूर्यकुमार ने चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा के आउट होने के बाद बल्लेबाजी संभाली और शुभमन गिल के साथ मिलकर टीम को मजबूत शुरुआत दी। उन्होंने जोश

हेजलवुड की गेंद पर पांचवें ओवर में पहला छक्का जड़ा, जबकि उनका 150वां छक्का नाथन एलिस के ओवर में आया। इसी के साथ उन्होंने अपने नाम एक नया कीर्तिमान दर्ज किया।

रोहित शर्मा के नाम फिलहाल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 205 छक्के हैं। सूर्यकुमार यादव अब उस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रोहित को पीछे छोड़ने के लिए सूर्यकुमार को अभी लंबा सफर तय करना होगा।

इस उपलब्धि के साथ सूर्यकुमार ने निकोलस पूरन और ग्लेन मैक्सवेल को पीछे छोड़ कर टी20 अंतरराष्ट्रीय इतिहास में पांचवें सबसे

ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे आगे अब केवल रोहित शर्मा (205), मुहम्मद वसीम (187), मार्टिन गॉट्लि (173) और जोस बटलर (172) हैं।

बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और मुकाबला रद्द घोषित करना पड़ा। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों टीमों आगामी दूसरे टी20 मैच की तैयारी में जुट गई हैं, जो 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (स्क्रब) में खेला जाएगा। टीम इंडिया को उम्मीद है कि सूर्यकुमार अपनी लय बरकरार रखेंगे और टीम को बढ़त दिलाएंगे।



रियाल मैड्रिड के डिफेंडर डेनी कार्वाजल अब अगले साल ही वापसी करेंगे



मैड्रिड। रियाल मैड्रिड के डिफेंडर स्पेन के डेनी कार्वाजल चोटिल होने के कारण अब इस साल बचे हुए सत्र में नहीं खेल पाएंगे। कार्वाजल एकरी बार्सिलोना के खिलाफ हुए ला लीगा मैच में चोटिल हो गये थे। कार्वाजल के घुटने में चोट लगी है और उन्हें उससे उबरने में समय लगेगा। इस चोट के कारण अब वह अगले साल ही वापसी कर सकेंगे। रियाल मैड्रिड की मीडिकल टीम के अनुसार कार्वाजल की जांच में उनका दाहिने घुटने के जोड़ में एक हड्डी खिसक गयी है। इसलिए अब उनकी कहा आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी होगी। यह नई चोट स्पेन के इस खिलाड़ी के लिए एक बड़ा झटका है और इससे उनके अगले साल होने वाले विश्वकप में खेलने पर भी सवाल उठ रहे हैं। अगर वह तेजी से उबर जाते हैं तो भी इस साल उनके खेलने की संभावना नहीं है। इस दौरान टीम को 10 मैच उनके बिना ही खेलने होंगे। जिसमें ला लीगा के 7 और चैंपियंस लीग के तीन मैच शामिल हैं। वह पहले भी घुटने की चोट से परेशान रहे हैं। वह इससे पहले भी लिगामेंट फटने के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहे थे। वहीं मैड्रिड को अलेक्जेंडर-अर्नॉल्ड के मांसपेशियों की चोट से उबर जाने से राहत मिली है।

अगरकर के साथ विवाद नहीं : शमी

कोलकाता। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से उनके विवाद की बातें सही नहीं हैं। शमी ने कहा कि उनके बयान को गलत समझा गया जिससे इस प्रकार की गलतफहमी पैदा हुई। यह विवाद तब शुरू हुआ जब अगरकर ने कहा था कि उन्हें शमी की फिटनेस की जानकारी नहीं है। वहीं शमी ने मीडिया से कहा था कि जब वह रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं तो इसका मतलब फिट होगी ही। इसी के



बाद से ही कहा जा रहा था कि चयनसमिति उनकी बयानबाजी से नाराज है। शमी ने रणजी ट्रॉफी 2025 में बंगाल की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों और करा जवाब दिया है। गुजरात के खिलाफ शमी ने आठ विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इसी के बाद शमी ने कहा कि मैं हमेशा किसी न किसी विवाद में आ जाता है जबकि मेरा ध्यान खेल पर है। हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है,

और मैं भी वही चाहता हूँ। मेरा काम है फिट रहना और प्रदर्शन करना। बाकि काम चयनसमिति का है। शमी ने चोट से वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के खिलाफ उन्होंने अपनी फिटनेस और लय दोनों साबित की। फर्स्ट-क्लास करियर में 13वीं बार उन्होंने पांच विकेट लिए हैं। रणजी सीजन में अब तक उन्होंने चार पारियों में 15 विकेट लिए हैं, औसत सिर्फ 10.46 का। वहीं बंगाल के कोच लक्ष्मी तत्तन शुक्ला ने कहा, 'मोहम्मद शमी को किसी से फिटनेस सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। उनकी गेंदबाजी ही उनका प्रमाण है। वे पूरी तरह फिट और शानदार लय में हैं।'

मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का योगदान समझने की कोशिश कर रहा हूँ: सुदर्शन

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टेस्ट टीम में तीसरे क्रम पर अपनी जगह पकड़ने की ओर बढ़ रहे युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा कि वह गेंदबाजों पर दबदबा बनाने के लिए इस बल्लेबाजी क्रम के लिए जरूरी रणनीति को सीख रहे हैं। यह खब्रू बल्लेबाज अमले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट की फेरु श्रृंखला से पहले दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के लिए दो (चार दिवसीय) मैचों में खेलेगा।

सुदर्शन ने यहां दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संस्था पर कहा, 'मैं तकनीकी रूप से अपने फुटवर्क में काफी सुधार कर रहा हूँ। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं

समझ रहा हूँ कि तीसरे नंबर के खिलाड़ी को टीम के लिए क्या करना होता है। मैं इस भूमिका को बेहतर ढंग से समझ रहा हूँ और उसे लागू करने की कोशिश कर रहा हूँ।

उन्होंने कहा, 'इसमें ज्यादा तकनीकी अंतर नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह रणनीतिक रूप से बेहतर होने के बारे में है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज से एक कदम आगे रहने के लिए मजबूत रणनीति होना जरूरी है और मैं इस पर काम कर रहा हूँ।' सुदर्शन ने कहा कि विरोधी टीम पर रणनीतिक बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है क्योंकि क्रिकेट के शीर्ष स्तर पर आपको खामियां जल्दी उजागर हो जाती हैं।

उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आप जिसका (गेंदबाज) भी सामना करते हैं वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में अगर आपकी बल्लेबाजी में कोई खामी है तो आप उसके साथ ज्यादा दिन तक बने नहीं रह सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सब उन रणनीतिक सुधार पर निर्भर करता है जो आप किसी गेंदबाज की ताकत और कमजोरियों के अनुसार उसके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी यही सीख रहा हूँ, शायद मैं इसे और निखार रहा हूँ और भारत के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का सबसे अच्छा तरीका ढूँढ रहा हूँ।'

जिसका (गेंदबाज) भी सामना करते हैं वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में अगर आपकी बल्लेबाजी में कोई खामी है तो आप उसके साथ ज्यादा दिन तक बने नहीं रह सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सब उन रणनीतिक सुधार पर निर्भर करता है जो आप किसी गेंदबाज की ताकत और कमजोरियों के अनुसार उसके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी यही सीख रहा हूँ, शायद मैं इसे और निखार रहा हूँ और भारत के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का सबसे अच्छा तरीका ढूँढ रहा हूँ।'



महिला विश्वकप कप क्रिकेट सेमीफाइनल में आज होगा भारत और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला

नवी मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां होने वाले महिला विश्वकप कप के दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करेगी। इस मैच में जीत के लिए भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इसका कारण है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है और उसके खिलाफ भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनों ही टीमों के बीच हुए 60 मैचों में से 49 में ऑस्ट्रेलियाई टीम जीती है जबकि केवल 11 में भारतीय टीम जीती है। भारतीय टीम अगर

सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हरा देती है तो उसके लिए खिताब जीतना काफी आसान हो जाएगा। इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है पर इसके बाद भी अगर टीम बेहतर तरीके से खेले तो उसके पास ऑस्ट्रेलिया को हराने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम को पहले दो मैच में जीत के बाद उसे लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा हालांकि इसके बाद उसने अच्छी वापसी

की और सेमीफाइनल में जगह बनायी हालांकि शानदार फार्म में चल रही प्रतीका रावल के चोटिल होकर बाहर होने से उसे झटका लगा है। प्रतिका ने इस टूर्नामेंट में पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छी बल्लेबाजी की है।

वहीं अब भारतीय टीम को इस मैच में जीतने के लिए अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं रखनी होगी। प्रतिका की जगह शामिल शेफाली वर्मा कैसा प्रदर्शन करती हैं। इस पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ शेफाली का रिकॉर्ड (25 पारियों में 37.20 की औसत से 893 रन) रावल और मंधाना के सलामी जोड़ी के रूप में 23 पारियों में 78.21 की औसत से 1,799 रनों से काफी कम है। शेफाली आक्रमक तो हैं पर पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। इस मैच खेलना होगा कि शेफाली को उतारा जाता है या हरलीन देजोल को सलामी बल्लेबाज के रूप में भेजा जाता है।

हरलीन ने भी सात मैचों में 75.11 की औसत से बिना किसी अर्धशतक के 169 रन



मैं और उनका रिकार्ड भी कुछ खास नहीं है पर वह लंबे समय तक बल्लेबाजी करती हैं। इससे मंधाना को दूसरे छोर से रन बनाने का अवसर रहता है। वहीं पिच की बात करें तो यहां हो रही बारिश के बाद भी पिच बल्लेबाजी के अनुकूल है। ऐसे में बड़े स्कोर का पीछा करना किसी भी टीम के लिए कठिन होगा। इस मैच में स्पिनर राधा यादव को टीम में बनाए रखा जा सकता है। इसका कारण है कि वह अच्छे क्षेत्र रक्षक हैं और अब तक उसकी

गेंदबाजी भी प्रभावी रही है। वहीं दूसरी ओर स्पिनर स्नेहा राणा का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। हरमनप्रीत अभी तक बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है और इस बार वह बड़ी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाना चाहेंगी।

भारतीय टीम को इस मैच में भी मंधाना से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट में 60.83 की औसत से 365 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो

रोहित पहली बार आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। रोहित पहली बार अपने करियर में नंबर एक पर पहुंचे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौर में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में सबसे अधिक रन बनाये हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। रोहित के रेटिंग पॉइंट्स अब 781 हो गए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादवान के 764 रेटिंग अंक हैं। शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण पिछड़ गये हैं। शुभमन के अब 745 रेटिंग अंक हैं। वहीं चौथे स्थान

पर पाकिस्तान के बाबर आजम के 739 रेटिंग अंक हैं। वहीं विराट कोहली 725 रेटिंग अंक लेकर छठे स्थान पर हैं। 734 अंकों के साथ डेविड मिचेल पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि रोहित शर्मा ने 781 रेटिंग पॉइंट्स के साथ आईसीसी रोहित अपने करियर में पही बार नंबर एक पर आए हैं। एकदिवसीय विश्व कप 2019 में पांच शतक उन्होंने लगाए थे और तब उनके रेटिंग अंक 882 थे फिर भी वह नंबर एक पर नहीं पहुंचे थे।

38 साल के रोहित को लेकर कहा जा रहा था कि अब उनका करियर समाप्त हो चुका है पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक अर्धशतक और एक शतक लगाकर बात दिया है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट है।

पहला टी20 बारिश की भेंट चढ़ा, अब मेलबर्न में होगी अगली टक्कर

कैनबरा (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार को खेले जाने वाला पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया। मैच कैनबरा के मानुका ओवल मैदान में खेला जा रहा था, जहां बारिश ने दो बार खेल में बाधा डाली और अंततः मैच को रद्द करने का फैसला लेना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया था। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को, लेकिन 5 ओवर के बाद बारिश ने खेल रोक दिया। कुछ देर बाद मुकाबला दोबारा शुरू हुआ और ओवरस घटाकर 18 कर दिए गए।

हालांकि, मैच फिर से 10वें ओवर के दौरान बारिश के कारण बाधित हुआ। लगातार तेज बारिश के चलते अंपायरों ने हालात का जायजा लेने के बाद मुकाबले को रद्द घोषित कर दिया। जब खेल रोक गया, तब भारतीय टीम ने 9.4 ओवर में 97 रन पर एक



विकेट खो दिए थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव (39 नाबाद) और शुभमन गिल (37 नाबाद) क्रीज पर मौजूद थे। भारत को एकमात्र झटका अभिषेक शर्मा (15 रन) के रूप में लगा, जिन्हें नाथन एलिस ने आउट किया। दोनों बल्लेबाजों ने बेहतरीन लय में बल्लेबाजी की और 62 रनों की

साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। लेकिन मौसम ने मैच का रोमांच खल कर दिया। कैनबरा में लगातार होती बारिश के कारण आगे का खेल संभव नहीं हो सका और मैच बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ। इस तरह पांच मैचों की श्रृंखला में अब स्कोर 0-0 की

बराबरी पर है।

अब दोनों टीमों 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) में होने वाले दूसरे टी20 मुकाबले में आमना-सामना होगा। फैंस को उम्मीद है कि वहां मौसम साफ रहेगा और रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।

पेरिस मास्टर्स : बाहर हुए विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज, कैमरन नॉरी ने पलटा मैच का रुख



पेरिस (एजेंसी)। विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज को पेरिस मास्टर्स 2025 के दूसरे दौर में बड़ा झटका लगा। ब्रिटेन के कैमरन नॉरी (रैंक 31) ने उन्हें तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-3, 6-4 से हराकर बाहर कर दिया। इस हार के साथ अल्काराज का मास्टर्स 1000 में 17 मैचों का जीत का सिलसिला थम गया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त अल्काराज पूरे मैच के दौरान अपनी लय पाने के लिए जुझते रहे। उन्होंने 54 अनफोर्सड एरर किए और कोर्ट की परिस्थितियों से भी असहज नजर आए। दूसरे सेट के दौरान वे अपने कोच जुआन कार्लोस फरेरो से बार-बार बातचीत करते दिखाई दिए।

जीत के बाद उत्साहित नॉरी ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। दुनिया के नंबर-1 और इस समय के

सबसे आत्मविश्वासी खिलाड़ी को हराया मेरे लिए अविश्वसनीय अनुभव है।' मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'भावनात्मक रूप से यह मेरे लिए साल के सबसे खराब मैचों में से एक था। मियामी में हार शारीरिक समस्या के कारण थी, लेकिन इस बार मुझे किसी भी पल गेंद का एहसास नहीं हो रहा था।'

ओलिंपिक रजत पदक विजेता अल्काराज के 11,340 अंक थे, जो अब घटकर 11,240 रह गए हैं। वहीं इटली के जैनिफ सिनर 10,510 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। लगातार 44 हफ्तों से नंबर-1 पर काबिज अल्काराज अब टयूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जहां उन्हें ह्यूए अंक वापस पाने का मौका मिलेगा।

जूनियर हॉकी विश्व कप : पाकिस्तान के नाम वापिस लेने के बाद ओमान टूर्नामेंट में शामिल

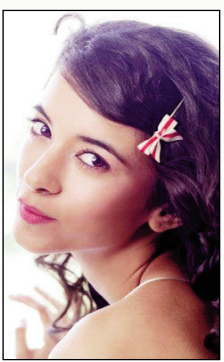


स्पোর্ट्स डेस्क। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को सूचित किया है कि वह तमिलनाडु में होने वाली हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 में भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने पिछले वर्ष जूनियर एशिया कप में कालीफाई किया था, लेकिन अब उसका हटने के बाद ओमान को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शामिल किया गया है। यह प्रतियोगिता 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक भारत के चेन्नई और मदुरै में आयोजित होगी। ओमान को जूनियर एशिया कप 2024 में अगली सर्वोच्च स्थान वाली टीम होने के नाते इस टूर्नामेंट में जगह मिली है। पहली बार जूनियर हॉकी विश्व कप के पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 24-24 टीमों भाग लेंगी। यह एफआईएच की 'सशक्तिकरण और सहभागिता रणनीति' के तहत वैश्विक स्तर पर हॉकी की पहुंच बढ़ाने का प्रयास है। गौरतलब है कि जर्मनी ने 2023 में मलेशिया के कुआलालंपुर में हुए पिछले संस्करण का खिताब जीता था।



आ रही है ऋतिक रोशन की नई वेब सीरीज, सब आजाद भी आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए खुशखबरी है। एक ओर जहां वह कुछ 4 में डायरेक्शन की कामना संभालने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने वाले हैं। हालांकि, उनकी यह पारी एक्टर के तौर पर नहीं होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने एक नई ओरिजिनल ड्रामा सीरीज स्टॉर्म की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के साथ ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस का हिस्सा ने हाथ मिलाया है। हालांकि, सीरीज का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे तत्काल स्टॉर्म नाम दिया गया है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन इस सीरीज को प्रोड्यूस कर रहे हैं।



ऋतिक रोशन बोले- सीरीज की कहानी दिलचस्प और सच्चाई से भरी बतौर प्रोड्यूसर, अपनी ओटीटी पारी के लिए ऋतिक रोशन ने कहा, 'स्टॉर्म' ने मुझे ओटीटी की दुनिया में बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने का एक शानदार मौका दिया। जिस चीज ने मुझे इस सीरीज की तरफ खींचा, वह है अजीतपाल द्वारा बनाई गई दिलचस्प और सच्चाई से भरी दुनिया है। कहानी गहरी, दमदार और यादगार किरदारों से भरी हुई है। मैं इसको लेकर बहुत एक्साइटेट हूँ।

दमदार महिला किरदारों की कहानी होगी स्टॉर्म

प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट, गौरव गांधी कहते हैं, प्राइम वीडियो में हमारा मकसद हमेशा अच्छे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मौका देना है, चाहे वो कैमरे के आगे हों या पीछे। हम ऐसी कहानियाँ लाना चाहते हैं जो दुनिया भर के लोगों को पसंद आएँ। ऋतिक रोशन भारतीय फिल्मों के सबसे टैलेंटेड स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने आगे कहा, 'स्टॉर्म' सिर्फ एक सीरीज नहीं है, बल्कि एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है, जिससे आगे और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स आएंगे। यह दमदार महिला किरदारों की दिलचस्प कहानी है। हमें यकीन है कि दुनियाभर के दर्शकों को यह पसंद आएगी।



मेल एक्टर्स को लेकर कभी हेडलाइन नहीं बनी

अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूँ

दीपिका पादुकोण जब से सदीप रेड्डी वंगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर हुई इंडस्ट्री में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग को लेकर अलग बहस छिड़ गई। कथित तौर पर दीपिका ने काम के घंटों में असहमति के चलते ही फिल्म छोड़ी थी। इंडस्ट्री में तमाम लोग दीपिका के सपोर्ट में आए, तो कुछ ने विपरीत टिप्पणी की। अब पहली बार खुद दीपिका पादुकोण ने इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है।

यह मेरा तरीका नहीं

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में जोर-शोर से चल रही इस बहस पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा, 'मैंने ये कई लेवल्स पर किया है, मेरे लिए ये नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि पेमेंट जैसी चीजों के मामले में भी मुझे जो कुछ भी मिला, उससे निपटना पड़ा। मुझे नहीं पता इसे क्या कहूँ, लेकिन मैं हमेशा अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूँ और किसी अजीब वजह से कभी-कभी ये सार्वजनिक हो जाती है। यह मेरा तरीका नहीं है। न ही मैं ऐसे पत्नी-बढ़ी हूँ। लेकिन हाँ, अपने लिए बोलना और अपनी लड़ाई चुपचाप व

गरिमा के साथ करना ही मेरा तरीका है। दीपिका पादुकोण ने पुरुष कलाकारों का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, एक महिला होने के नाते अगर यह दबावपूर्ण या कुछ और लगता है, तो ऐसा ही हो। मगर, इसमें कोई सीक्रेट नहीं कि कई सुपरस्टार्स, मेल सुपरस्टार्स इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में आठ घंटे काम करते आए हैं। वर्षों से वे ऐसा कर रहे हैं। इसकी कभी हेडलाइन नहीं बनी है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं नाम नहीं लेना चाहती, जिससे कि यह बड़ा मुद्दा बने। मगर, यह बात सब जानते हैं कि कई मेल एक्टर्स दिन में आठ घंटे काम करते हैं। कुछ सोमवार से शुक्रवार तक आठ घंटे काम करते हैं और वीकएंड में काम नहीं करते हैं।

दीपिका के फाउंडेशन को हुए 10 वर्ष

दीपिका पादुकोण वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के मौके पर मध्य प्रदेश गई थीं। वहाँ उन्होंने अपने फाउंडेशन लिव लव लाफ के 10 साल पूरे होने को सेलिब्रेट किया। एक्ट्रेस का यह फाउंडेशन देशभर में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहा है। दीपिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका शाहरुख के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी।

स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी से बाहर हुई दीपिका

दीपिका पादुकोण ने फिल्म स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग में काम करने की शर्त रखी थी। बिटिया के जन्म के बाद उन्होंने मेकर्स के सामने यह मांग रखी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया और दीपिका ने दोनों फिल्में छोड़ दीं। अब हालिया इंटरव्यू में दीपिका ने विस्तार से इस पर बात की है। उन्होंने वर्किंग टाइमिंग को लेकर नए सिरे से छिड़ी बहस पर रिएक्शन दिया। उन्होंने बहुत सलीक से कहा कि वे अपनी लड़ाई खुद लड़ती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा इंडस्ट्री में हो रही उन बातों का भी जिक्र किया, जहाँ बराबरी, ईसाफ और सम्मान की चर्चा होती है।



60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेटी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेटी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेटी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेटी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फ्रीस थी। शिल्पा शेटी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। शिल्पा शेटी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्रैक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे। बता दें कि शिल्पा शेटी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से शादी करेंगी तृषा कृष्णन!

तृषा कृष्णन उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को लेकर अवसर चर्चा में रहती हैं। अफवाहें उड़ रही थीं कि वो अभिनेता थलापति विजय के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि अब एक खबर लोगों को हैरान कर रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि वो एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से करने वाली हैं शादी! रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने शादी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने ईमानदारी से कहा कि अगर उन्हें सही व्यक्ति मिले तो वह शादी करने को तैयार हैं। हालांकि उन्हें लगता है कि अभी सही समय नहीं आया है। जहां तक उनके माता-पिता की बात है, तो उन्होंने अभी तक चुप्पी साध रखी है, उन्होंने अभी तक न तो इन अफवाहों की पुष्टि की है और न ही खंडन किया है।

तृषा कृष्णन का वर्कफ्रंट

तृषा कृष्णन जल्द ही फिल्म 'विश्वभरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'विश्वभरा' की कहानी रहस्य, रोमांच से भरी है। तृषा और चिरंजीवी के अलावा फिल्म में आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

फिर मोहब्बत और परिवार के बीच फंसेंगे अजय देवगन, फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट आई सामने

अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' जल्द ही रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी एक एज गैप वाले कपल की लव स्टोरी है। इस बार भी अजय देवगन और रकुल प्रीत लीड रोल में होंगे। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' से जुड़ी अपडेट शेयर की है। फिल्म कब रिलीज होगी, यह फैसला को बताया है। फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट 14 नवंबर 2025 है। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी शेयर किया गया है।



तुनिषा के जाने के बाद अब प्यार से डर लगता है

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइजजत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है।

वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्ध के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं। अपने नए शो के बारे में वह कहते हैं, हमारे इस

शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नई सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्र में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है। बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियां को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्रत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूँ। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मेस्क्युलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूँ। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूँ।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं। ये ही लोग मेरे लिए लड़ें और मेरे साथ खड़ी रहें। आज जब मैं दोबारा अपने पैरों पर खड़े होकर अपने करियर को रिवाइव कर पाया, तो सबसे ज्यादा गर्व इन्हीं लोगों को हुआ है।

मेरी मां की दुआ काम आई

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-

13 साल से काम कर रहा हूँ, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूँ, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

कई बार नींद नहीं आती...

तुनिषा शर्मा की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद क्या शीजान को प्यार-मोहब्बत जैसी बातों से विरक्ति हुई है? इस पर वह कहते हैं, देखिए प्यार से डर लगता है अब। कभी-कभी नींद नहीं आती। मगर जिंदगी में आगे बढ़ना पड़ता है। मुझे म्यूजिक पसंद है। गजले और शायरी में बहुत रुचि है। कतली शिफाई, अहमद फराज, राहत इंदोरी साब्र, बशीर बद्र, गुलजार जैसे तमाम शायरों को पढ़ता-सुनता हूँ।